आश्विन, पक्ष - शुक्ल, तिथि - विजयादशमी, संवत 2079 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-8, अंक-32, 5 अक्टूबर - 11 अक्टूबर, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

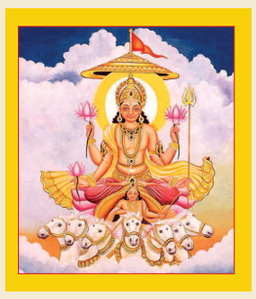

विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

हमारे त्योहार मनाने की तिथि में क्यों होता है कन्फ्यूजन!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

सनातन संस्कृति एक रंग-बिरंगे फूलों से महकता हुआ उद्यान जैसी है, जिसमें तरह-तरह के फूल खिले हुए हैं और उनकी भीनी-भीनी सुगंध सबका मन हर लेती है। सब खुशी और आनन्द का अनुभव करते हैं। मगर जब इन्हीं त्योंहार और महोत्सवों की तिथि में पंडितों द्वारा एक के बजाए दो दिन मनाने का समाचार अखबारों में प्रकाशित करवा दिया जाता है तब स्थिति बड़ी असमंजस की हो जाती है। कोई आज उत्सव मना लेता है तो कोई कल मनाएगा। ऐसा नहीं होना चाहिए। मगर हमारी तिथियां सूर्योदय और चन्द्रोदय के हिसाब से चलती हैं। इसलिए ये तो अकाट्य सत्य है कि तिथि तो घड़ी और पल अनुसार ही मानी जाएगी। इसमें कोई रद्दोबदल नहीं हो सकता है। मगर इससे होता क्या है कि एक ही शहर में दो अलग-अलग तिथियों को त्योहार मनाया जाता है जिससे कई बार हंसी का पात्र भी बन जाना पड़ता है। हमारे देश के शंकराचार्यों को ज्योतिषियों के साथ बैठकर एक समाधान निकालना चाहिए, ताकि एक त्योहार को एक ही दिन मनाया जा सके। चूंकि हमारा देश बहुत बड़ा है और पंचांग भी बहुत से ज्योतिषियों द्वारा बनाए जाते हैं। बंगाल और राजस्थान के सूर्योदय में अनुमानतः आधे घंटे का अंतर आ जाता है, वहीं कुछ विद्वान सूर्य उदय की तिथि के अनुसार त्योहार मनाने की घोषणा करते हैं तो कुछ विद्वान सूर्यास्त के समय को। उदाहरण के लिए एकादशी का व्रत अधिकांशतः दो दिन रखा जाता है कोई उदयात तिथि में एकादशी मानते हैं तो कोई सूर्यास्त के समय में एकादशी का व्रत खोलते हैं। इसी प्रकार अन्य त्योहारों पर देखने को मिलता है। पिछले दिनों जन्माष्टमी पर्व पर भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला था। इसमें पंडित लोग अपनी विद्या को चमकाने के लिए भी बिना जरूरत के अखबारों में ऐसी खबरें प्रकाशित करवा देते हैं। आज से 10-20 वर्ष पूर्व तक ऐसा नहीं होता था और सारे त्योंहार पूरे देश में एक साथ ही मनाए जाते थे। जिसको कुछ संदेह होता था वे पंडितजी से सम्पर्क कर अपनी शंका का समाधान कर लिया करते थे। मगर अब तो जबरन ज्योतिष दिमागों में ठूंसा जा रहा है, जिसे सही नहीं ठहाराया जा सकता। (इस लेख का उद्देश्य किसी की निंदा या भावनाओं को आहत करना नहीं है मगर कन्फ्यूजन का निदान जरूर होना चाहिए)। shivdayalmishra@gmail.com

चुनावी स्कीम्स पर राजनीतिक दलों को EC की चिट्ठी

जनता को बताएं, जो वादे किए उन्हें पूरा करने में फंड कैसे जुटाएंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने चुनावी वादों को लेकर राजनीतिक दलों को चिट्ठी लिखी है। इसमें आयोग ने कहा है- राजनीतिक पार्टियां अपने घोषणापत्र में वोटर्स को चुनावी वादों के बारे में सटीक जानकारी दें। साथ ही यह भी बताएं कि वे जो वादे कर रहे हैं, उसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन हैं भी या नहीं? आसान शब्दों में कहें तो आयोग ने राजनीतिक दलों से जनता को यह बताने के लिए कहा है कि वे अपनी घोषणाओं के लिए फंड कैसे जुटाएंगे। देश के 6 राज्यों में 7 विधानसभा सीटों के लिए उप चुनाव की घोषणा के बाद लिखी इस चिट्ठी में आयोग ने कहा है-पॉलिटिकल पार्टीज को एक तय फॉर्मेट में वोटर्स को बताना चाहिए कि जो वादे किए जा रहे हैं, वे कितने सही हैं? इसके अलावा, वोटर्स को यह भी बताएं कि इन्हें पूरा करने के लिए राज्य या केंद्र सरकार के पास क्या वित्तीय संसाधन हैं।

चुनाव आयोग ने कहा...
हम आंख मूंदकर नहीं बैठ सकते

आयोग ने कहा कि हम इस मुद्दे पर आंख मूंदे नहीं रह सकते हैं। अगर राजनीतिक दल सिर्फ खोखले वादे कर रहे हैं, तो इसके दूरगामी असर होंगे। आयोग ने अपनी चिट्ठी में सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर 19 अक्टूबर पर अपने सुझाव देने को कहा है।

फ्रीस्कीम्स का मामला सुप्रीम कोर्ट में मामला पेंडिंग

चुनाव में फ्री स्कीम्स वादों पर सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित है। 25 अगस्त को सुनवाई के बाद तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमना ने इसे नई बेंच में ट्रांसफर कर दिया था। भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने फ्री स्कीम्स पर रोक लगाने के लिए याचिका दाखिल की है।

आयोग ने कहा था...
फ्री वादों की परिभाषा तय करें

11 अगस्त को फ्री स्कीम्स पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने हलफनामा दाखिल किया था। आयोग ने कोर्ट में कहा था कि फ्री का सामान या फिर अवैध रूप से फ्री का सामान की कोई तय परिभाषा या पहचान नहीं है। आयोग ने 12 पन्नों के अपने हलफनामे में कहा कि देश में समय और स्थिति के अनुसार फ्री सामानों की परिभाषा बदल जाती है। कोर्ट ने आयोग के रवैए पर फटकार लगाई थी। उधर, 6 राज्यों की रिक्त 7 विधानसभा सीटों पर 3 नवंबर को उपचुनाव होगा। आयोग ने बताया कि ये उपचुनाव बिहार के मोकामा और गोपालगंज, महाराष्ट्र के अंधेरी (पूर्व), हरियाणा के आदमपुर, तेलंगाना के मुनुगोडे, उत्तर प्रदेश के गोला गोरखनाथ और ओडिशा के धामनगर विधानसभा क्षेत्र में होंगे। इन चुनावों की अधिसूचना 7 अक्टूबर को जारी होगी।

राजनीतिक गिरफ्त में जयपुर नगर निगम

इंदौर फिर सिरमौर, जयपुर टॉप 20 में भी नहीं

स्वच्छता सर्वेक्षण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वच्छता किसे पसंद नहीं। हर कोई स्वच्छता पसंद करता है। लेकिन, इसके उलट पिंकसिटी के हालात सफाई को लेकर बदत्तर बने हैं। यहां स्वच्छता की बात तो पुरजोर तरीके से होती है, लेकिन धरातल पर गन्दगी आपको हर गली-चौराहे पर नजर आ जाएगी। आज देश में हर साल स्वच्छता सर्वेक्षण हो रहा है और एमपी का इंदौर लगातार छठीं बार नंबर वन आया है। जयपुर और इंदौर शहर दोनों में क्षेत्रफल और जनसंख्या के हिसाब से ज्यादा बड़ा अंतर नहीं है, लेकिन

उसके बाद भी जयपुर देश के सबसे साफ 20 शहरों की सूची में शामिल नहीं हो सका है। जबकि यहां न तो संसाधनों की कमी है और न ही बजट की। जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हैरिटेज में वर्तमान में लम्बी चौड़ी अधिकारियों-कर्मचारियों की फौज है। लेकिन स्थिति ये है कि शहर सफाई के मामले में आगे बढ़ने के बजाए पीछे जाता जा रहा है। जो शहर में 4 साल पहले तक ओपन कचरा डिपो फ्री हो गया था आज उस शहर में जगह-जगह फिर से ओपन कचरा डिपो दिखने लगे है और उन पर कचरे के ढेर सड़ रहे है। विशेषज्ञों की माने तो नगर निगम जयपुर के इस फैलियर के पीछे सबसे बड़ा कारण यहां हावी होती राजनीति है। इसके कारण न तो कर्मचारी-अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है और न जनप्रतिनिधि।

क्या अंतर है इंदौर और पिंकसिटी में

इंदौर - नगर निगम का करीब 530 वर्ग किलोमीटर के एरिया में 23 लाख की आबादी है। यहां हर रोज औसतन 1200 टन से भी ज्यादा कचरा प्रतिदिन निकलता है।

जयपुर- नगर निगम ग्रेटर-हैरिटेज में 467 वर्ग किलोमीटर के एरिया में 30.75 लाख की आबादी है। यहां हर रोज औसतन 1500 टन कचरा प्रतिदिन निकलता है।

इंदौर - डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का पूरा काम नगर निगम की गाड़ियों से किया जाता है, जिसके लिए 500 छोटी-छोटी गाड़ियां लगा रखी है। हर गाड़ी जियो टैगिंग और जियोफेन्सिंग से मॉनिटर होती है और गाड़ी का एक रूट मैप फिक्स है। अगर कोई गाड़ी किसी जगह पर 5 मिनट से ज्यादा रुकती है या अपने निर्धारित रूट से अलग चलती है निगम में बने इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर पर पॉपअप शो हो जाता है। इसकी मॉनिटरिंग इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर से प्रत्येक जोन होती है। हर जोन में एक व्यक्ति इनकी मॉनिटरिंग करता है कि गाड़ी नियमित और समय के अनुसार चलें एवं निर्धारित रूट के सभी घरों से कचरा संग्रहण कार्य करें।

जयपुर- जयपुर के दोनों नगर निगम में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कॉन्ट्रेक्ट पर है। यहां दोनों निगम में कुल 553 से ज्यादा गाड़ियां कलेक्शन के लिए लगी है। इन गाड़ियों की मॉनिटरिंग के लिए कोई इंटीग्रेटेड प्लान नहीं है। गाड़ी कब आती है, कहां जा रही है इसकी रियल टाइम मॉनिटरिंग का कोई मैकेनिज्म नहीं है। गाड़ियां अधिकारियों और ठेकेदार के कर्मचारी अपनी मर्जी से संचालित करते है। इस कारण यहां कई जगहों पर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की गाड़ियां 2-3 या 4 दिन के अंतराल में आती है।

इंदौर -यहां कचरा संग्रहण का काम 100 प्रतिशत सोर्स सेग्रीगेशन के आधार पर किया जाता है इसमें 6 तरह का अलग-अलग कचरा लिया जाता है। इसमें सूखा कचरा, गीला कचरा, प्लास्टिक कचरा, ई-वेस्ट, घरेलु बायोवेस्ट शामिल है। हर गाड़ी में अलग-अलग डस्टबिन होते है। यही गाड़ियां कचरा संग्रहण कर निर्धारित कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर कचरा डंप करती है।

जयपुर- गीला और सूख कचरा कलेक्शन की कोई व्यवस्था नहीं है। गाड़ी मं अलग-अलग रंग के दो बॉक्स बने होते है, लेकिन दोनों अंदर से ओपन होते है। सेग्रिगेशन के लिए न तो कर्मचारी है और न ही लोगों को जागरूक कर रखा है। कचरा कलेक्शन के बाद गाड़ियां यहां से ट्रांसफर स्टेशन लेकर जाती है।

इंदौर- यहां प्रत्येक स्वच्छता मित्र (सफाई कर्मचारी) को एक निर्धारित बीट 800 मीटर निर्धारित की हुई है इसमें निर्धारित व्यक्ति को ही काम करना होता है। कचरा संग्रहण में लगी हर गाड़ी के साथ एक हेल्पर की व्यवस्था होती है। लेकिन घरों से कचरा उपभोक्ता को स्वयं गाड़ी में डालना होता है हेल्पर का काम गाड़ी से कोई कचरा गिरने की स्थिति में उसे संभालना होता है। अगर कोई बच्चा या सीनियर सिटीजन कचरा लेकर आता है तो उसकी सहायता करना होता है।

जयपुर- जयपुर में स्वच्छता मित्र (सफाई कर्मचारी) की बीट तो निर्धारित है, लेकिन उसकी मॉनिटरिंग सही से नहीं होती। यहां अगर किसी सफाई कर्मचारी की बीट में भी बदलाव किया जाता है तो उसमें भी राजनैतिक हस्तक्षेप होने लगता है।

इसलिए जयपुर फिसड्डी

» जयपुर में राजनीति सबसे ज्यादा हावी है। राजनीतिक लालसा के कारण ही साल 2019 में नगर निगम को दो एरिया में विभाजित करके दो नगर निगम का गठन किया गया। लेकिन एक नगर निगम में आज तक संचालन समितियां नहीं बनी, जबकि दूसरे में पिछले दो साल से मेयर के कार्यकाल को सरकार ने अस्थित कर रखा है।

» राजनीति हावी होने के कारण जनप्रतिनिधियो और अधिकारियों में हमेशा टकराव रहता है। इस कारण यहां अधिकारी-कर्मचारियों के संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच विवाद देखने को मिलते है। कई बार यहां कर्मचारियों के संगठन और जनप्रतिनिधियों (पार्षदों) एक-दूसरे के खिलाफ लामबंद हो जाते है और धरने-प्रदर्शन कर देते है।

» लोगों की शिकायतों का समय पर कभी ध्यान नहीं दिया जाता। कॉल सेंटर्स पर जो शिकायतें आती है उनका निस्तारण नहीं होता, जिसके कारण लोगों में परेशान होते है। इस बार सिटीजन वॉइस स्वच्छता सर्वेक्षण टीम को फीडबैक दिया ही नहीं। लोगों ने सफाई सुधार में रूचि नहीं दिखाई। हेरिटेज को 70 फीसदी और ग्रेटर निगम को 60 फीसदी ही अंक ही मिल पाए।

» शहर में सफाई व्यवस्था पर मॉनिटरिंग का जिम्मा जोन उपायुक्तों का है, लेकिन कोई भी अधिकारी अपने एरिया में हर रोज राउण्ड पर नहीं जाते। जोन उपायुक्त को हर रोज अपने एरिया में सुबह-सुबह एक से दो घंटे तक दौरा करके व्यवस्थाएं देखने के निर्देश है। लेकिन जोन उपायुक्त को दूर खुद नगर निगम कमिश्नर कभी अपने चैम्बर से बाहर नहीं निकलकर नहीं देखते की शहर की क्या स्थिति है।

जागरूक उवाच

राजनीति से हटना होगा परे

राजनीति से परे हटकर यहां जनप्रतिनिधियों को कार्य करना होगा। तभी गुलाबीनगरी के नाम से प्रसिद्ध जयपुर स्वच्छ शहर का तमगा हासिल कर पाएगा। शहर में अतिक्रमण इस कदर हावी है कि शहर के प्रमुख ऐतिहासिक मार्ग लुप्त से

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

जिनका जीवन ही संदेश है

अहिंसा के पुजारी, आज़ादी के महानायक

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

की जयन्ती पर शत शत नमन

सर्वधर्म प्रार्थना सभा

2 अक्टूबर, 2022 • प्रात: 9 बजे

सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर

“सर्वधर्म समभाव, अहिंसा, अपरिग्रह, सत्य, मानवीय मूल्य, वसुधैव कुटुम्बकम ये सभी सिद्धांत भारतीयता के प्रतीक हैं। हमारे देश की विचारधारा इन्हीं सिद्धांतों की परिचायक है। महात्मा गाँधी, जीवन पर्यन्त इन सिद्धांतों पर चले। उनका जीवन एक संदेश था। वे सही मायने में **‘भारतीयता’** के प्रतीक और महापुरुष थे। उन्होंने अहिंसा में छिपी आवाज को समझा और देश को आजादी दिलाई। उनके जीवन चरित्र से आज समूचे विश्व ने भारत की विचारधारा को पहचाना और संबोधित किया।

आज समय की मांग है कि अमन-चैन के साथ बापू के हर सपने को साकार करने में जुट जायें।”

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

गहलोत बोले- हम चाहते हैं विपक्ष को हमारे खिलाफ मौका मिले

15 दिन-1 महीनेभर पहले आएगा बजट, बाद में इलेक्शन में जाना है

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गहलोत सरकार चुनावी साल का बजट इस बार जल्दी पेश करेगी। 15 दिन से 1 महीना पहले गहलोत विधानसभा में साल 2023-24 का चुनावी बजट पेश कर सकते हैं। सीएम गहलोत ने कहा- बजट फरवरी-मार्च में आता है। अबकी बार 15 दिन या 1 महीने पहले बजट आ जाए तो यह अलग बात है। अबकी बार बजट में देरी नहीं होगी, क्योंकि बाद में सबको इलेक्शन में जाना होता है । चाहे पक्ष हो या विपक्ष, सब चाहते हैं टाइम पर बजट आए और पूरा हो। हम भी चाहते हैं कि विपक्ष को भी हमारे खिलाफ बात करने का मौका मिले। डेमोक्रेसी है, वो अपनी बात कहें, हम अपनी बात कहेंगे। हमारी उपलब्धियां बताएंगे। फैसला तो जनता करेगी। हम चाहेंगे कि हमारी सरकार रिपीट होकर वापस आए। मेरा अनुभव है जब-जब सरकार रिपीट नहीं हुई, तब तमाम योजनाओं को इम्प्लीमेंट करने में दिक्कत हुई है।

ओपीएस, चिरंजीवी योजना को लेकर सोचें मोदी

सीएम गहलोत ने कहा- पीएम नरेंद्र मोदी से रिक्वेस्ट की है कि वह हमारी ओल्ड पेंशन स्कीम की घोषणा, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर सोचें। चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना हिंदुस्तान में कहीं नहीं है, बाहर के मुल्कों में भी शायद नहीं होगी। आज के ज़माने में हर व्यक्ति को सोशल सिक्योरिटी मिलनी चाहिए। हम 1 करोड़ लोगों को पेंशन दे रहे हैं। बुजुर्गों, विधवाओं, सिंगल वूमन, निशक्त जनों को पेंशन दी जा रही है। हमने शहरी रोजगार गारंटी योजना इंदिरा गांधी के नाम से शुरू की है , जिसे बहुत लोग वेलकम कर रहे हैं । 100 दिन के रोजगार की नरेगा की तरह उसमें गारंटी दी गई है । पहली बार महिलाएं-पुरुष घरों से काम करने के लिए निकल रहे हैं। जो पहले कभी नहीं निकले थे । लगभग 70000 लोग इसमें लग गए हैं। नरेगा में स्टेट गवर्नमेंट की फंडिंग से 25 दिन हमने एक्स्ट्रा कर दिए हैं।

फरवरी की शुरुआत में आ सकता है 2023-24 का राज्य बजट

सीएम गहलोत के इस बयान से माना जा रहा है कि प्रदेश सरकार फरवरी के शुरूआती हफ्ते में सरकार बजट पेश कर सकती है। यह बजट युवाओं को समर्पित होगा। बेरोजगारों को नौकरी के लिए नई भर्तियों की घोषणा के साथ ही स्पोर्ट्स, हायर एजुकेशन, स्कूल एजुकेशन, होस्टल, कॉलेज समेत युवाओं और स्टूडेंट्स से जुड़ी कई घोषणाएं बजट में हो सकती हैं। इससे पहले गहलोत ने 23 फरवरी 2022 को साल 2022-23 का बजट पेश किया था। 24 फरवरी 2021 को साल 2021-22 का बजट और 20 फरवरी 2020 को साल 2020-21 का बजट पेश किया गया था।

दिवाली तक सड़कों के रिपेयर-पैच वर्क का काम हो जाएगा

गहलोत ने कहा- भारी बरसात के कारण सड़कें तहस-नहस हो गई हैं। अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं कि दिवाली तक सड़कों के रिपेयर और पैच वर्क का काम हो जाएगा तो लोगों को सुविधाएं मिलेगी। आने वाले वक्त में बजट घोषणा पूरी होंगी।

युवाओं के लिए समर्पित होगा बजट

गहलोत ने कहा-हम जो अगला बजट पेश करेंगे, वह युवाओं के लिए होगा। आज हमने इंस्ट्रक्शन दिए हैं कि युवाओं के लिए जो योजनाएं हैं, उनका इंप्लीमेंटेशन जल्दी हो। डिपार्टमेंट खुद पब्लिक इंटरेस्ट के सुझाव दें। राजस्थान युवाओं और छात्रों के लिए कैसे मॉडल स्टेट बन सके इस सोच के साथ बजट बने। सीएम ने कहा- हमने किसानों के लिए प्रोविजन डबल कर दिए,बजट अलोकेशन डबल कर दिए, किसानों के लिए अलग बजट पेश किया तो उन्हें अच्छा लगा । उसी तरह आने वाला कल युवाओं का है। उनके लिए मैं क्या कर सकता हूं उस दिशा में हम लोग लगे हुए हैं। राजीव गांधी के नाम से जो ग्रामीण ओलंपिक हो रहे हैं उससे एक्स्ट्राऑर्डिनरी माहौल बना है। युवाओं को लगा कि सरकार हमारे लिए सोच रही है। स्पोर्ट्स सेक्टर में हम आगे बढ़ना चाह रहे हैं।

पब्लिक हमें बजट पर सुझाव दे

वैसे हम हर बार प्री-बजट मीटिंग करते हैं, लेकिन मैं प्रदेशवासियों से कहना चाहूंगा कि पब्लिक हमें बजट को लेकर सुझाव दे। पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों को लेकर हमारा फोकस है। प्रदेशवासियों से कहना चाहूंगा कि हमें सुझाव दें, हम उसको एग्जामिन करेंगे और जो संभव होगा वह हम लागू करने का काम करेंगे।

हम बीजेपी सरकार का कोई काम बंद नहीं करते

गहलोत बोले- बीजेपी की सोच नेगेटिव होती है। सरकार बदलने पर वह हमारी सरकार की स्कीम्स को बंद कर देती है। उस कारण से योजनाओं पर काम बंद हो जाता है । रिफाइनरी इसका उदाहरण सामने है। 40 हजार करोड की रिफाइनरी आज 70 हजार करोड रुपए में बनेगी। यह एक ही उदाहरण बहुत है। ऐसे ही छोटे-मोटे कितने ही काम पिछली बीजेपी सरकार ने बंद किए हैं। लेकिन हम बीजेपी सरकार का कोई काम बंद नहीं करते। बल्कि उन्हें आगे बढ़ा रहे हैं। हमारी नीति और सोच पॉजिटिव है। इसलिए हम आगे बढ़ रहे हैं। हम चाहेंगे इस बार हमारी सरकार रिपीट हो, जिससे और ज्यादा स्कीम शानदार तरीके से और मजबूती से आगे पेश कर सकें।

एक मौका और दें, ताकि काम करके बताएं

सीएम ने कहा-सोशल सिक्योरिटी ,शिक्षा ,स्वास्थ्य सेवाओं की जो योजनाएं हैं, उन्हें मजबूती से हम आगे पेश करना चाहते हैं । मैं बार-बार प्रदेश की जनता से कह रहा हूं कि हमें एक मौका और दीजिए। जिससे हम काम करके बताएं। राजस्थान में हम वह फैसले कर सकते हैं, जो हिंदुस्तान में कोई नहीं कर पा रहा। नए जिलों की मांग पर गहलोत ने कहा सब कुछ संभव है।

सीएमओ में हुई बजट घोषणा की रिव्यू बैठक

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिवालय में बजट घोषणाओं की रिव्यू बैठक की। जिसके बाद मीडिया से रूबरू होकर कहा-आज MLA कह रहे हैं, ऐसा पहली बार हो रहा है कि आपने केवल घोषणा ही नहीं की है। स्वीकृति भी निकल रही है। क्षेत्रों में काम हो रहे हैं। सेंक्शन हो रही है। सड़कों के काम हो रहे हैं। जो भी MLA मिलने आते हैं। वह शिकायत कर ही नहीं रहे हैं। गहलोत ने कहा मुझे अच्छा लगा हमारे यहां की ब्यूरोक्रेसी बहुत कमिटेड है। CS की मॉनिटरिंग होती रहती है और स्मूथली काम हो रहा है। मुझे पूरा विश्वास है दिसंबर तक हम बजट घोषणाओं पर पूरा प्रोग्रेस कर पाएंगे। बजट की 89 परसेंट स्वीकृतियां निकल गई हैं। 74 परमेंट काम इम्प्लीमेंट हो गए हैं।

मंत्री खाचरियावास से घर जाकर मिले पायलट

पायलट से सब बातें हुईं, क्या बात हुई, यह नहीं बताऊंगा-खाचरयियावास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच चल रहे घमासान के बीच अब नेताओं की मुलाकातों से नई चर्चाएं छिड़ गई हैं। सचिन पायलट ने सोमवार रात मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास के आवास पर पहुंचकर करीब सवा घंटे तक चर्चा की है। लंबे समय बाद सचिन पायलट प्रताप सिंह के सरकारी बंगले पर पहुंचे,जहां दोनों के बीच सियासी मुद्दों पर लंबा मंथन हुआ है।

इस मुलाकात को लेकर मंत्री प्रतापसिंह खाचरयियावास ने कहा- मैं और सचिन पायलट विधानसभा में भी एक ही सोफे पर बैठते हैं। विधानसभा में जब बराबर बैठते हैं तो वहां भी बात होती रहती है। यह कहना गलत है कि हमारी आपस में चर्चा नहीं होती। अब पायलट साहब घर आ गए तो इसमें नई बात नहीं है,विधानसभा में तो मिलते ही हैं वहां भी बात होती रहती है। पायलट साहब आएंगे तो बातें तो होंगी ही,कोई भजन कीर्तन थोड़े ही करेंगे,सब बातें हुई हैं। लेकन वे बताने की नहीं हैं।

पायलट से लंबी मुलाकात के बाद दिन में सीएम गहलोत से मिले खाचरियावास

सोमवार रात सचिन पायलट से लंबी मुलाकात के बाद आज दोपहर प्रतापसिंह खाचरयियावास ने सीएम अशोक गहलोत से मुलाकात की। दोनों मुलाकातों के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। खाचरियावास ने अपने बयान सेयह साफ कर दिया है कि दोनों नेताओं के बीच मौजूदासियासी घटनाक्रम और सियासी बवाल पर भी चर्चा हुई है। ऐसे में इस मुलाकात को दोनों खेमों केबीच जारी कोल्ड वॉर के हिसाब से काफी अहम माना जा रहा है।

खाचरियावास की पायलट से मुलाकात के मायने

सचिन पायलट के खिलाफ हाल के दिनों में प्रताप सिंह खाचरियावास मुखर होकर बयानबाजी कर रहे थे। उन्हीं खाचरिययावास से उनके सरकारी बंगले पर जाकर सचिन पायलट का मिलना दोनों के बीच सियासी तल्खियों को कम करने और सियासी रिश्तों की बर्फ पिघलने से जोड़कर देखा जा रहा है। इसे गहलोत और पायलट खेमों के बीच तल्खी कम करने से भी जोड़ा जा रहा है। सचिन पायलट ने विधानसभा में भी विधायकों सेमुलाकात की थी, इससे पहले भी गहलोत खेमे के विधायकों से मिले थे, बीच में विधायक दल की बैठक के बाद सियासी बवाल बढ़ गया और पूरा नरेटिव ही बदल गया।

खाचरियावास पहले पायलट के कट्टर समर्थक थे

प्रताप सिंह खाचरियावास सचिन पायलट के कट्टर समर्थक थे। सचिन पायलट जब प्रदेशाध्यक्ष थे तब पूरे पांच साल खाचरियावास ने राजधानी में धरने प्रदर्शनों से लेकर पार्टी के कार्यक्रम आयोजित करने में पायलट का साथ दिया। खाचरियावासको मंत्री बनाने में भी पायलट का ही रोल था। जुलाई 2020 में पायलट खेमे की बगावत के वक्त खाचरियावास ने पायलट की जगह गहलोत खेमे का साथ दिया। दोनों के बीच उसी समय से दरार आ गई थी। 2020 के बाद पायलट पहली बार खाचरियावास के घर जाकर मिले हैं।

प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात

नई दिल्ली/जयपुर @ जागरूक जनता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद भवन में प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने मुलाकात की। मीणा की बिरला के साथ यह शिष्टाचार भेंट थी। मुलाकात के दौरान मीणा ने बिरला को क्लब के स्थापना दिवस समारोह में पधारने का आमंत्रण भी दिया। इसके अलावा पत्रकारों की समस्याओं के बारे में भी बताया। मीणा का कहना है कि इतने बड़े पद पर आसीन होने के बावजूद बिरला बेहद विनम्र और अपनों से मिलने, दिल की बात करने को हमेशा सहज-सुलभ रहते हैं।

पर्यटको के लिए अजमेर दर्शन बस का होगा संचालन

अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने घोषणा की कि निगम आने वाले दिनों में अजमेर में पर्यटकों के लिए अजमेर दर्शन बस का संचालन करेगा। अजमेर दौरे पर आए राठौड़ ने आज अजमेर-पुष्कर में देशी विदेशी पर्यटकों की सुविधा के साथ साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के ₹ म में घोषणा करते हुए कहा कि राजस्थान पर्यटन विकास निगम अजमेर दर्शनीय स्थलों के लिए बस चलाएगा।

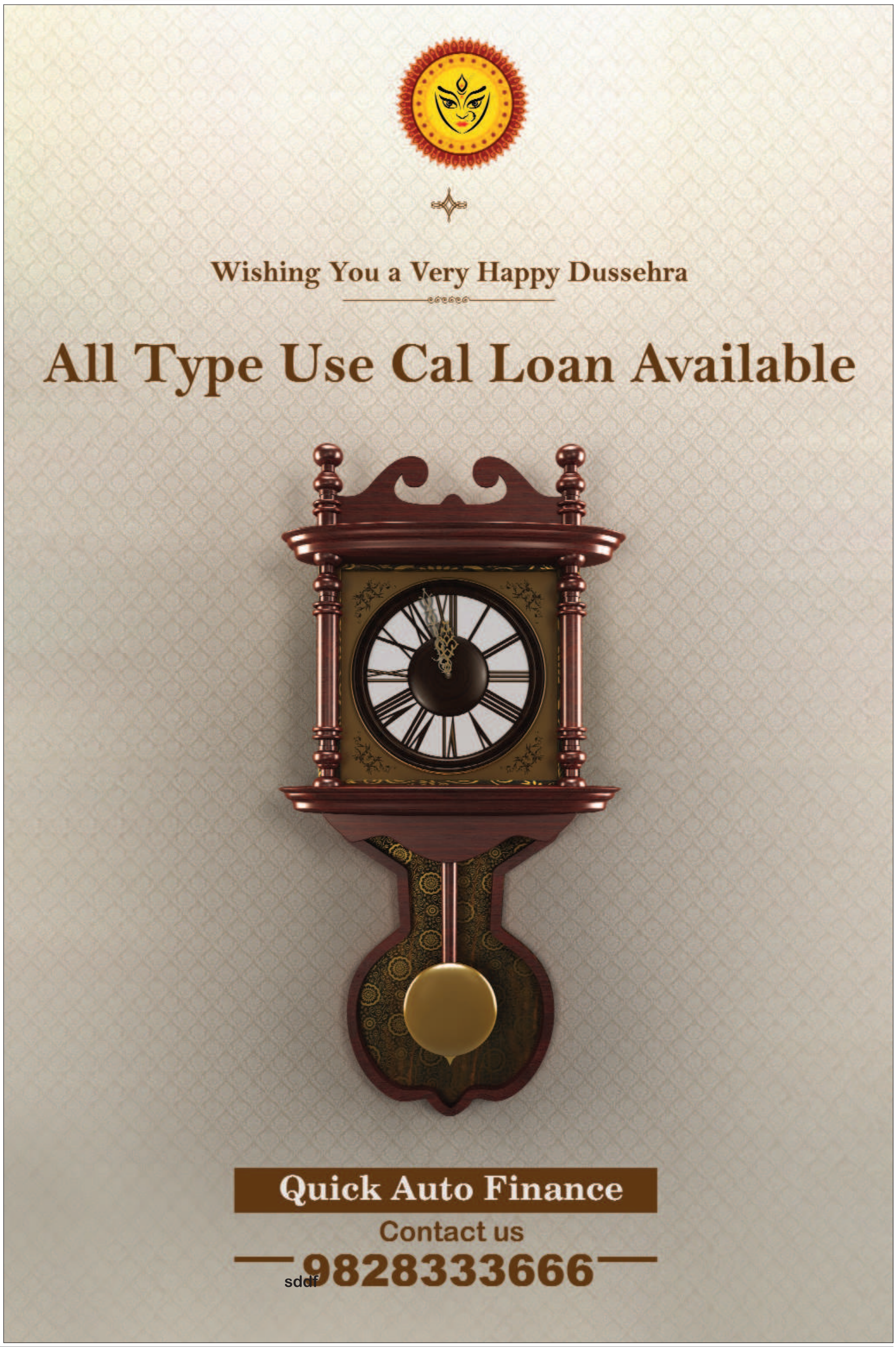

सम्पादकीय

प्रतिबंध के बाद

सद्भाव की राह छोड़कर कट्टरता का प्रसार करने वाले किसी भी संगठन पर प्रतिबंध स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। पिछले दिनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं और एनआईए व अन्य सुरक्षा एजेंसियां लगातार जांच व धरपकड़ में लगी थीं। ऐसे 19 मामले हैं, जिनके तार पीएफआई से जुड़े बताए जाते हैं। मंगलवार को भी इस संगठन के 170 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। उसके बाद ही गृह मंत्रालय ने पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाया है। आतंकी जुड़ाव को लेकर यह कार्रवाई की गई है और कई राज्यों ने केंद्र सरकार से पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। सबसे पहले साल 2012 में केरल ने इस संगठन पर संदेह जताया था। देश को सुरक्षित रखने के लिए ऐसी कार्रवाइयां समय-समय पर होती रही हैं। एक समय देश में खूब आतंकी हमले होते थे और उनके पीछे ऐसे अन्य कट्टरपंथी संगठनों का नाम आता था। स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर साल 2001 में प्रतिबंध लगाया गया था और साल 2008 में भी सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंध बनाए रखने के लिए कहा।

बताया जाता है कि पीएफआई में सिमी सहित तीन अन्य संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हो गए थे। इधर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कारण यह संगठन अपने जैसे अन्य संगठनों के साथ मिलकर लगातार सरकार की तीखी आलोचना में जुटा था। गृह मंत्रालय का साफ कहना है कि ठोस सुबूत मिलने और एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है। वैसे इस प्रतिबंध को अदालती चुनौती देने का रास्ता खुला है, पर पीएफआई के कार्यकर्ताओं के लिए मुश्किलें तब बढ़ेंगी, जब उनके खिलाफ सुरक्षा एजेंसियां अकाट्य प्रमाण पेश करेंगी। आतंकवाद से किसी के प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध को हल्के में नहीं लिया जा सकता। पीएफआई अगर किसी देश विरोधी आपराधिक और आतंकी मामले में शामिल नहीं रहा है, तो उसे अदालत में यह साबित करना होगा। उसे साबित करना होगा कि यह संगठन भारत के लिए किसी प्रकार से खतरा नहीं है और उसे बाहरी स्रोतों से जायज धन व संविधान सम्मत समर्थन मिल रहा है। क्या पीएफआई खाड़ी के देशों में भारत के खिलाफ एजेंडा चलाकर धन जुटाता है? आरोप है कि वह विदेश में एक अखबार चलाता है, जिसका नाम तेजस गल्फ डेली है, जो कट्टरपंथ को हवा देने का काम करता है। इसमें कोई शक नहीं कि कट्टरता के खिलाफ भारत में सतत अभियान चलाने की जरूरत है। सुरक्षा एजेंसियां इस काम को अंजाम देती रही हैं, पर उन्हें ज्यादा मुस्तैदी से काम करना होगा। दुनिया की नजर भारत पर है। जो देश अपने यहां कट्टर नीतियों का अनुसरण करते हैं, वे भी भारत से उदारता या धर्मनिरपेक्षता की उम्मीद करते हैं। भारत अपनी स्थापित छवि के अनुरूप आचरण करे, इससे बेहतर और कुछ हो नहीं सकता। धर्म के नाम पर बनने या चलने वाले संगठनों को विशेष रूप से संविधान पर गौर करना चाहिए। ऐसे संगठन चाहे किसी भी धार्मिक दायरे में आते हों, उनकी जिम्मेदारी है कि वे परस्पर द्वेष फैलाने के बजाय अपने समाज का सुधार करें, अपने समाज को सद्भावी बनाएं। नफरत या बदला आधारित देश बनाने की साजिश करना किसी के हित में नहीं है।

आज मनुष्य सर्वशक्तिमान है। कभी प्रकृति के साथ रहता मानव पशुओं, सरीसृपों से त्रस्त था। आयुधों का आविष्कार उनसे बचने के लिए ही हुआ था। समाज शास्त्रीय दृष्टि से देखें, तो 64 योगिनी से उत्पन्न कुमारिकाओं के पूजन से कामना यही रहती है कि घर-संसार निष्कंटक चले। प्रमुख परमेश्वर ब्रह्मा, विष्णु और महेश हैं।

प्रकृति और बीज संरक्षण की याद दिलाता है देवी पूजन

उषा किरण
साहित्यकार
@jagrukjanta.net

कृषि आधारित इस प्राचीन भूमि पर गौर से देखा जाए, तो समयानुकूल कई विधि-विधान जोड़े गए लगते हैं। मगर सबके मूल में बीज संरक्षण है। प्राचीनतम बीज, जो खाद्य हैं, वे हैं जौ और उड़द। प्राचीन पुष्प अपराजिता। यह पराजित नहीं होती, इसकी लतर, इसके बीज स्वयं धरती में उत्सर्ग हो जाते हैं और नव अंकुर फूटते हैं।

विश्व की प्राचीनतम धार्मिक व्यवस्था में सनातन एक है। यह धर्म अपने स्थान के अनुसार प्रायः प्रकृति से जुड़ा है। मानव सभ्यता पूरी तरह परिपक्व हो चुकी थी, भाषा, लय और भाव का भान हो गया था, तब समयानुसार देव-देवियों और नकारात्मक शक्तियों की ओर ध्यान गया। देव के साथ देवी हैं। देवी की अपनी अलग सत्ता है। देवी जगदंबा हैं। शाक्त संप्रदाय के लिए देवी ही सर्वस्व हैं। सृष्टि का अहम अंग हैं। देवी मातृशक्ति हैं। जब-जब मानव को हारने का भय होता है, तब-तब वह उनकी शरण में जाता है। नवदुर्गा वैसी ही सर्वशक्तिमती देवी हैं। मातृशक्ति (नारी-शक्ति) का प्रतीक। आज भी जो नारी अपने वजूद के लिए संघर्ष करती है, वह मातृशक्ति का ही रूप है।

शास्त्रीय दुर्गा लोक में इतनी घुल-मिल गई कि इसे पृथक करना कठिन है। कुमारिका दुर्गा की पूजा होती है। पूजन का मंडल इस प्रकार होता है। पहले आठ, तब 16, 32 और अंत में 64 योगिनी। मंडल पूर्ण होते-होते वह सुहागिन का रूप धारण कर लेती हैं और तब नवमी के दिन उनकी मांग भरके खोंइछा भरने के बाद विदाई की तैयारी कर ली जाती है। आस्था में डूबे श्रद्धालु कुमारी कन्याओं को आदर सहित भोजन कराते हैं और दक्षिणा देकर उनसे आशीर्वाद लिए जाते हैं। अगले दिन, जहां प्रतिमा स्थापना होती है, वहां स्त्रियां संपूर्ण सुहाग बांटती मिलती हैं। कृषि आधारित इस प्राचीन भूमि पर गौर से देखा जाए, तो समयानुकूल कई विधि-विधान जोड़े गए लगते हैं। मगर सबके मूल में बीज संरक्षण है। प्राचीनतम बीज, जो खाद्य हैं, वे हैं जौ और उड़द। प्राचीन पुष्प अपराजिता। यह पराजित नहीं होती, इसकी लतर, इसके बीज स्वयं धरती में उत्सर्ग हो जाते हैं और नव अंकुर फूटते हैं। जौ बोना, जलयुक्त घट भरकर रखना, आम का पल्लव और दीप जलाना संकेत है कि मूल तत्व यही है, इसे ही बचाकर रखना है। रक्षक माता है। हम पढ़ते आए हैं कि बीज और फसलों का संग्रह व उपयोग त्रियों ने प्रारंभ किया। यही दुर्गा कर रही हैं। फसलों को सबसे अधिक कौन नष्ट करता है, यही विचारणीय है। महिष आता है उजाड़ने सब कुछ। यदि फसल की दृष्टि से देखें, तो स्वतः यह भाव जगेगा कि दुर्गा किस दुर्गति का नाश करती हैं।

आज मनुष्य सर्वशक्तिमान है। कभी प्रकृति के साथ रहता मानव पशुओं, सरीसृपों से त्रस्त था। आयुधों का आविष्कार उनसे बचने के लिए ही हुआ था। समाज शास्त्रीय दृष्टि से देखें, तो 64 योगिनी से उत्पन्न कुमारिकाओं के पूजन से कामना यही रहती है कि घर-संसार निष्कंटक चले। प्रमुख परमेश्वर ब्रह्मा, विष्णु और महेश हैं। दुर्गा शिव की शिवा हैं। दुर्गा सप्तशती का एक श्लोक है- चिताभस्मालेपो गरलमशनं दिक्पटधरो/ जटाधारी कण्ठे भुजगपतिहारी पशुपतिः/ कपाली भूतेशो भजति जगदीशैक पदवीं/ भवानी त्वत्पाणिग्रहण परिपाटी फलमिदम्।। (हे भवानी, जो अपने अंगों में चिता की राख लपेटे रहते हैं, जिनका विष ही भोजन है, जो दिगंबर हैं, माथे पर जटा और कंठ में नाग लपेटे हैं, भिक्षाटन के लिए कपाल लिए फिरते हैं, ऐसे भूतनाथ पशुपति ही 'जगदीश' कहलाते हैं। हे मां, तुमने पाणिग्रहण द्वारा उनको यह पदवी दिलवाई।) लोककंठ में एक मनोरंजक कथा है। एक दिन महागौरी ने शिव से कहा, धरती पर जनसंख्या बढ़ रही है, कोई उपाय करें। शिव ने नंदी बैल से कहा, जाओ, धरती के किसानों से कह आओ कि वे दो बार स्नान-ध्यान करें और एक बार भोजन। नंदी सिर हिलाकर चल दिया। धरती पर आते ही हरी-हरी घास दिख गई। कैलास पर तो सिर्फ बर्फ रहता है। सो चारा देख उसके मुंह में पानी आ गया। पेट भर घास चरने के बाद वह धरती पर आगे बढ़ा और मस्ती में कह आया कि तुम लोग दो बार भोजन करो और एक बार स्नान-ध्यान। शिव ने जब सुना, तो माथा पकड़ लिया। उन्होंने नंदी से कहा, अब तू जा, कंधे पर पाली रखकर खेत जोत और उनका पालन कर। लोक मान्यता है कि नंदी को शिव ने ही भेजा है इंसान की सहायता करने। यह सब देख महागौरी मुस्करा उठती हैं। किस्से का अर्थ स्पष्ट है कि देवी आपातकाल में अपनी वीरता का उपयोग कर सकल प्राणियों को अभयदान देती हैं और शांतिकाल में निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहती हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

महिलाओं का अधिकार

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने शरीर पर महिलाओं के अधिकार को फिर एक बार पुष्ट किया, तो यह स्वागतयोग्य होने के साथ ही आगे के फैसलों के लिए अनुकरणीय भी है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने साफ फैसला सुनाया है कि किसी भी महिला, विवाहित या अविवाहित, को 24 सप्ताह तक बिना किसी मंजूरी के गर्भपात कराने का अधिकार है। इसके साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी विवाहित महिला को जबरन गर्भवती करना 'मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी ऐक्ट' के तहत बलात्कार माना जा सकता है। बीते दिनों आए इस फैसले से महिला सशक्तीकरण को बहुत बल मिलेगा। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी ऐक्ट के तहत गर्भपात के नियम स्पष्ट रूप से वर्णित हैं, उन्हीं के अनुरूप सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया है। यह दुखद तथ्य है कि देश में अभी भी महिलाओं से जुड़े ज्यादातर फैसले पुरुष ही करते हैं। महिलाओं को अपने शरीर से जुड़े मुद्दों पर भी पुरुषों की मंजूरी लेनी पड़ती है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय पहले ही महिलाओं के इस अधिकार पर रोशनी डाल चुका है। असल में, भारत जैसे सामाजिक रूप से जटिल पुरुषवादी देश में न्यायालयों को ऐसे फैसले बार-बार दोहराने या परिभाषित करने पड़ते हैं। ध्यान रहे, इस अधिकार तक पहुंचने में महिलाओं को लंबा समय लगा है। अपने इस अधिकार के प्रति सभी महिलाओं को जागरूक रहना चाहिए। पुरुषों को भी यह पता होना चाहिए कि उनका अधिकार क्षेत्र कहां खत्म हो जाता है। ऐसे फैसलों से प्रेरणा मिलनी चाहिए और महिलाओं के साथ किसी भी तरह की ज्यादती का अंत होना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा है कि विवाहित महिलाएं भी बलात्कार पीड़ित हो सकती हैं। बलात्कार का अर्थ है, बिना सहमति के संबंध बनाना। अगर ऐसा होता है, तो वैवाहिक रिश्ते में भी इसे दुष्कर्म ही माना जाएगा। महिला की सहमति सबसे जरूरी है। मौजूदा नियमों के अनुसार, तलाकशुदा, विधवा महिलाएं 20 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं करा सकतीं, लेकिन अन्य सभी महिलाओं के लिए 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति का प्रावधान है। अदालत का यह फैसला 25 साल की गर्भवती अकेली युवती की अर्जी पर आया है। इस युवती को उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली थी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय में न्याय के साथ ही नियमों को नई व्याख्या भी मिली है। शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया कि किसी महिला से यह अधिकार छीनना उसकी गरिमा को कुचलने जैसा काम है। गर्भपात और महिलाओं के अधिकार के मामले में भारत सामान्य रूप से दुनिया में बहुत आगे है। अनेक देश अभी भी गर्भपात को मंजूरी नहीं देते हैं। गर्भपात को मंजूरी देने वाले देशों की संख्या 100 भी नहीं है। लीबिया, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, ईरान और वेनेजुएला सहित लगभग 50 देश तब गर्भपात की अनुमति देते हैं, यदि किसी महिला का स्वास्थ्य जोखिम में हो। कई अन्य देश बलात्कार, अनाचार या भ्रूण असामान्यता की स्थिति में ही गर्भपात को मंजूरी देते हैं। अमेरिका में भी गर्भपात के अधिकार को लेकर विवाद चलता रहता है और वहां राज्यों के कानून अलग-अलग हैं।

ओपिनियन

'प्रचंड' का आगमन

चेतेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारतीय वायु सेना की मजबूती में फिर इजाफा हुआ है और उसमें एक ऐसे हेलीकॉप्टर का समावेश हुआ है, जो किसी भी ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए सेना का मददगार साबित हो सकता है। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को देश के पहले 'मेड इन इंडिया' लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' में उड़ान भरी है और इसके साथ ही देश की हवाई शक्ति में एक नए युग का सूत्रपात हुआ है। एलसीएच का यह पहला संस्करण हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित हुआ है और इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है। नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के कार्यभार संभालने के बाद यह कामयाबी हाथ लगी है। यह हेलीकॉप्टर किसी भी मौसम में उड़ने में सक्षम है और यह विशेष रूप से दुश्मन के ड्रोन को कुशलता से निशाना बना सकता है। पाकिस्तान व चीन की ओर से ड्रोन की शिकायतें आती रहती हैं, ऐसे में यह हेलीकॉप्टर एक तरह से समय की मांग है। अब दुश्मन ड्रोन को निशाना बनाने के लिए बड़े विमानों की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रक्षा क्षेत्र अब 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के इरादे के साथ काम कर रहा है। प्रचंड को भी इसी सिलसिले में तैयार किया गया है। यह चूंकि भारतीय परिवेश में ही निर्मित हुआ है, इसलिए यह हमारी सीमा पर ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। यह हेलीकॉप्टर जरूरत के अनुरूप दुश्मन को चकमा देने, विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद ढोने और इसे जल्दी से साइट पर पहुंचाने में सक्षम है। यह वायुसेना के साथ-साथ थल सेना के लिए भी बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। रक्षा मंत्री ने उचित ही यह स्वीकार किया है कि हेलीकॉप्टर दो दशकों के अनुसंधान और विकास का परिणाम है, लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि ऐसे हेलीकॉप्टर बनाने में आखिर दो दशक समय कैसे या क्यों लग गया? क्या हम हेलीकॉप्टर का विकास कम समय में नहीं कर सकते थे? इसमें किसी एक सरकार का योगदान नहीं है, सरकारें सिलसिलेवार ढंग से रक्षा उत्पादन की उपेक्षा करती आई हैं, जिसका असर अब साफ दिखने लगा है, जब रक्षा उत्पाद दुनिया के बाजार में बहुत महंगे हो गए हैं। भारत में भी यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आ गई है कि जब हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गए हैं, तब किसी भी तरह का रक्षा आयात हमारे बारे में दुनिया की धारणा को कमजोर ही करता है। आज राफेल का आयात हमारी मजबूरी है और उसकी टक्कर का विमान बनाने में शायद एक दशक से भी ज्यादा समय लग जाएगा।

इसमें कोई शक नहीं कि रक्षा उत्पादन अपने आप में बहुत महंगा काम है, पर भारत को यदि अपने दुश्मनों के सामने सिर उठाकर रहना है, तो यह निवेश या खर्च हमें करना पड़ेगा। गौर करने की बात है कि सुरक्षा मामलों की केंद्रीय समिति ने हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से वायु सेना और सेना के लिए 3,887 करोड़ रुपये की लागत से 15 ऐसे हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी थी। ऐसे 10 हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना को दिए जाएंगे और पांच थल सेना को। भारत जैसे विशाल देश में ऐसे 100 से ज्यादा हेलीकॉप्टर की जरूरत होगी। अतः निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर होना चाहिए। हमें न केवल अपनी जरूरतें पूरी करनी हैं, बल्कि अन्य देशों में निर्यात भी करना है। जब हम रक्षा उत्पाद के बाजार में उतरने का सपना साकार करने जा रहे हैं, तो हमें वैश्विक कंपनियों से मुकाबले के लिए तैयार रहना चाहिए। *(ये लेखक के अपने विचार है)*

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

तामस,. असुर, दैत्य, यक्ष, भूत-प्रेत, पिशाच, बेताल, डाकिनी, शाकिनी आदि तो आपके सहचर हैं।

शिव पूजन का विधानः भगवान शिव की पूजा में विशेष उपचार की आवश्यकता नहीं है। शंकर तो आक, धतूरा, विल्व पत्र, अक्षत्, जल मात्र चढ़ाने, गाल बजाने से ही संतुष्ट होकर भक्त को सब कुछ देने को प्रस्तुत हो जाते हैं। हर हर महादेव, शंकर, शिव शंभो, भोलेबाब ऐसे नाम उच्चारण सुनकर ही भगवान दौड़े चले आते हैं और मुंह मांगा वरदान दे देते हैं। भगवान शिव की जप, तप, ध्यान, पूजा, गुण श्रवण, कीर्तन आदि जिन किन्हीं साधनों से उपासना की जाए, वे प्रसन्न होकर सब प्रकार की सिद्धियां तथा मुक्ति देने वाले हैं। रूद्रार्चन में अक्षत, बेल पत्र, गंगाजल, दूध, ईख रस, कमल पुष्प एवं मन्दार (आक) के फूल की विशेष महत्ता है। शिव पूजन के पूर्व नवनिर्मित पार्थिव शिवलिंग की प्रतिष्ठा करनी चाहिए। नर्मदेश्वर लिंग स्वप्रतिष्ठित माने जाते हैं, उनकी प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं है। मन्दिर आदि में पूर्व प्रतिष्ठित लिंग, स्वयंभू लिंग, ज्योतिर्लिंग, सिद्धलिंग की पूजा में आवाहन विसर्जन की आवश्यकता नहीं है। भगवान शिव के उपासक को त्रिपुण्ड धारण, भस्मलेपन तथा रुद्राक्ष धारण उत्तम माना गया है। पूजा विनियोग, ध्यान, अंगन्यास आदि करके पांच, दस अथवा सोलह उपचारों से करनी चाहिए। शिवजी की आधी परिक्रमा करने का ही विधान है। शिव निर्माल्य के विषय में कहा गया है, नर्मदेश्वर लिंग, धातुमय लिंग, रत्नलिंग स्वयंभू लिंग, सिद्धलिंग (पुराण प्रसिद्ध) इन पर चढ़ाया गया निर्माल्य तथा नैवेद्य ग्राह्य है, **क्रमशः**

लड़कियों को बचाना और आगे बढ़ाना ही स्त्री शक्ति की पूजा

क्षमा शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आज दशहरा है। इससे पूर्व नौ दिन चलने वाले इस पर्व को स्त्री शक्ति सम्मान के रूप में मनाया जाता है। यह देखना भी दिलचस्प है कि जहां साल में दो बार लड़कियों को महत्व देने के लिए ऐसे पर्व मनाए जाते हों, वहां लड़कियों को दोयम दर्जे का मानने वाले भी बहुत हैं। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में इस सोच में भारी परिवर्तन भी हुआ है। ज्यों-ज्यों शिक्षित और रोजगारशुदा लड़कियों की संख्या बढ़ी है, उनकी आवाज और ताकत को नेता भी पहचानने लगे हैं। हर राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में औरतों के हितों की बातें करने लगा है। महिला नेताओं ने भी त्रियों की स्थिति बदलने में बहुत सकारात्मक भूमिका निभाई है। जयललिता जब पहली बार 1991 में तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनी थीं, तब उन्होंने लोगों से अपील की थी कि वे अपनी लड़कियों को मारे नहीं, सरकार को दे दें, सरकार उन्हें पालेगी। इसके लिए उन्होंने बच्चों का पालन-पोषण करने वाले केंद्रों के बाहर ही पालने लगवा दिए थे। एक महिला मुख्यमंत्री द्वारा लड़कियों को बचाने की यह बहुत अच्छी पहल थी, क्योंकि तब हर रोज भ्रूण हत्या की खबरें आती थीं। कुपोषण और अन्य कारणों से लड़कियों की मृत्यु के समाचार आए दिन दिखते थे।

साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत हरियाणा के पानीपत जिले से की थी। तब आंकड़े बताते थे कि हरियाणा में लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या देश में सबसे कम थी। हरियाणा की लड़कियों को ही केंद्र में रखकर दंगल फिल्म बनाई गई थी। उसके बाद यहां महिला पहलवानों के लिए बहुत से अखाड़े खुल गए थे। साल 2012 में हरियाणा की वीवीपुर पंचायत के बारे में खबर आई थी कि वे अब लड़कियों को बचाने की पहल करेगी। यहां एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें आसपास के गांवों की सौ खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इसमें भ्रूण हत्या को समाप्त करने व महिलाओं से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार किया गया था।

तब से अब तक न जाने कितनी बातें और घटनाएं ऐसी हुई हैं, जो देश में लड़कियों के प्रति बदलती सोच को बता रही हैं। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर अपनी जगह बना रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। मोबाइल रिपेयर सेंटर्स खोल रही हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों ने भी बच्चियों और त्रियों के लिए बहुत सी योजनाएं बनाई हैं, जिनका लाभ लड़कियों को मिल रहा है। अरसे से महिलाओं के लिए काम करने वाले संगठन, स्व-सहायता समूह, संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं कहती रही हैं कि महिलाओं के नाम पर कोई अचल संपत्ति नहीं होती, इसीलिए जब चाहे तब उन्हें घरों से बेदखल कर दिया जाता है। अपने देश में प्रधानमंत्री आवास योजना की तरफ से जो मकान गरीबों को दिए जाते हैं, उनकी रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर ही की जाती है। लाखों महिलाएं अपने मकानों की मालकिन बन रही हैं। यही नहीं, यदि महिलाओं के नाम पर मकान खरीदा जाता है, तो स्टाम्प ड्यूटी में भी कुछ छूट मिलती है।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

अनुभूति डॉटर प्रेरणा-हेमंत शर्मा, नीमच

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 05/10/2022

सूर्योदय : 06:22 **सूर्यास्त :** 17:59 **चन्द्रोदय :** 15:34 **चन्द्रास्त :** 01:04 **शक सम्वतः** 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना :** आश्विन **पूर्णिमांत :** आश्विन **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** मकर **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** दशमी, 12:00 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत :** 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **चन्द्रमास आश्विन :** पूर्णिमान्त **आश्विन :** अमान्त **द्रिक ऋतु :** शरद

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : श्रावण, 21:07 तक
योग : सुकर्माण, 08:18 तक
प्रथम करण : गारा, 12:00 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 22:50 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:38 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:02 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	11:46 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:08 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:52 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:04 पी एम से
अमृत काल	04:52 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:45 पी एम से
रवि योग	पूरे दिन

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास पश्चिम में
चन्द्रवास : दक्षिण
कुंभ चक्रः दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:22- 07:49	उद्वेग	: 05:59 - 07:32
अमृत	: 07:49 - 09:16	शुभ	: 07:32 - 09:05
काल काल वेला	: 09:16 - 10:43	अमृत	: 09:05 - 10:37
शुभ	: 10:43 - 12:10	चर	: 10:37 - 12:10
रोग वार वेला	: 12:10 - 01:37	रोग	: 12:10 - 01:43
उद्वेग	: 01:37 - 03:04	काल	: 01:43 - 03:16
चर	: 03:04 - 04:32	लाभ	: 03:16 - 04:49
लाभ	: 04:32 - 05:59	उद्वेग	: 04:49 - 06:22

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज दशमी

आज कौन सा कार्य करें

दशमी : राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, शुक्ल, दशमी, 2079 बुधवार, 5 अक्टूबर - 11 अक्टूबर, 2022

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मित्तल परिवार ने किया गयाजी में पितृ श्राद्ध

चन्द्रप्रकाश अग्रवाल बने मुख्य यजमान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय संस्कृति में हमारे पूर्वजों को पितृ माना जाता है। अश्विन कृष्ण पक्ष को पितृ श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। हमारी संस्कृति में पितृ मोक्ष के लिए पिण्डदान का बड़ा महत्व है। पिण्डदान पुत्रों के हाथों से किया जाता है। यूं तो पिण्डदान मृत्यु के बाद बारह दिन में जो क्रियाकर्म किया जाता है उसमें हो जाता है, लेकिन शास्त्रों की मान्यतानुसार गया तीर्थ में पिण्डदान करने से तमाम पितृ मोक्ष को प्राप्त हो जाते हैं और उसके बाद उनके लिए श्राद्ध निकालने की जरूरत नहीं रह जाती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सिंगनौर निवासी मित्तल परिवार ने बिहार स्थित गयाजी में इस बार पूरे 16 दिन तक पितरों को पिण्डदान अर्पित कर प्रतिदिन 50 ब्राह्मणों को भोजन करवाया। मित्तल परिवार के ही चन्द्रप्रकाश अग्रवाल (लालू) को विचार आया कि क्यों नहीं हमें गयाजी में श्राद्ध करना चाहिए, क्योंकि चन्द्रप्रकाश के सिर से बचपन में ही माता-पिता का साया उठ गया था। इन्होंने अपने परिवार से चर्चा कर गयाजी जाने का कार्यक्रम बना लिया। इनके साथ रतन अग्रवाल पत्नी रुकमणी, बनारसी अग्रवाल पत्नी कृष्णा बाई, महेन्द्र अग्रवाल पत्नी रेणुदेवी एवं बनारसी अग्रवाल के पौत्र चिराग गया जी पहुंच गए। चन्द्रप्रकाश अग्रवाल के अनुसार 8 सितम्बर से श्राद्ध पूजा प्रारम्भ की गई जो 26 सितम्बर तक चली। कार्यक्रम के अनुसार मुख्य यजमान की भूमिका चन्द्रप्रकाश अग्रवाल ने सपत्नी रुचि अग्रवाल के साथ सम्पन्न करवाई। पूजा के लिए प्रतिदिन रात्रि को 2 बजे उठकर स्नान इत्यादि करके कुटुम्ब के सारे सदस्य ब्रह्म मुहुर्त में 4 बजे पूजा के लिए बैठ जाते थे। 4 बजे से शुरू हुई पूजा 10 बजे तक चलती थी। उसके बाद ब्राह्मणों को भोजन कराने के बाद स्वयं भोजन करते। मानस सुआ आचार्य एवं रतन आचार्य पंडा ने पूरे पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म सम्पन्न करवाया। इस दौरान एकादशी को सालिगरामजी की पूजा की गई जिसमें 1008 बार तुलसी समर्पित की गई। द्वादशी को गऊ दान, तेरस को 500 दीपक जलाकर पितृ दीपावली एवं पितृ अमावस्या को शैय्यादान कर श्राद्ध कर्म का समापन हुआ।

मित्तल परिवार की ओर से आगामी 7 अक्टूबर को अपने पैतृक गांव सिंगनौर में पूरे गांववासियों को प्रसादी भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की चैतन्य झांकी सजाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्रह्माकुमारी श्रीनिवास नगर शाखा द्वारा दुर्गा के नौ स्वरूपों की चैतन्य झांकी का आयोजन किया गया। झांकी का शुभारंभ जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर खैतान साथ में डॉक्टर संजय गोयल यूरोलॉजिस्ट, डॉ आशीष अग्रवाल कार्डियोलॉजिस्ट, डॉक्टर पूनम, डॉक्टर शिल्पा द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया।

उद्योगपति शिबा एवं सिल्वर स्टॉक होजरी के मालिक मदनलाल शर्मा ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। सेवा केंद्र संचालिका बीके हेमा बहन ने सभी को नवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि यह त्योहार धर्म की अधर्म पर सत्य की असत्य पर विजय होने की शिक्षा देता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देवियों की चैतन्य झांकी के साथ साथ महिषासुर वध नाटिका एवं डांडिया रास भी रहा। अंत में आए हुए सभी मेहमानों को बीके मीना बहन और कविता बहन ने ईश्वरीय सौगात दी। अंत में सभी को प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम संपन्न किया गया।

शो पोस्टर का हुआ विमोचन

फिल्म स्टार गोविंदा नवाजेंगे शहर की हस्तियां

जयपुर @ जागरूक जनता। माइंड ब्लोइंग फिल्म प्रमोशन की ओर से जयपुर में पहली बार राजस्थान राज्य स्तरीय ब्यूटी पैजेंट मिस एंड मिसेज अल्यूरिंग ब्यूटी ऑफ राजस्थान सीजन - 1 और डायनैमिक अवॉर्ड्स सेरेमनी 8 अक्टूबर को होटल रेडिसन ब्लू में होगी। इसमें राज्य भर की करीब 100 मॉडल्स रैंपवॉक के दौरान कॉन्फिडेंस, एटीट्यूड और टैलेंट का प्रदर्शन करेंगी, जो दिलचस्प रहेगा। जजेज में बॉलीवुड हस्तियां शामिल होंगी। माइंड ब्लोइंग फिल्म प्रमोशन के डायरेक्टर सौरभ प्रजापत ने पत्रकारों को बताया कि इस मौके पर बॉलीवुड सुपर स्टार गोविन्दा सेलिब्रिटी गेस्ट होंगे।इंटरनेशनल फेमस फैशन डिजाइनर कीर्ति राठौड़ ने बताया कि शो में पहली बार प्लस साइज को रैंपवॉक पर अपना टैलेंट शोकेस करने का मौका मिलेगा। इस शो का मकसद मॉडलिंग क्षेत्र में कैरियर तलाशना है। इस मौके पर होटल ग्रैंड सफारी में शो के पोस्टर का विमोचन पवन गोयल, नितिन अगनानी, मोनू शर्मा, अनिल अग्रवाल, जेडी माहेश्वरी, कीर्ति राठौड़ और सौरभ प्रजापत ने किया।नितिन अगनानी ने बताया कि शो के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की 15 हस्तियां को फिल्म स्टार गोविंदा नवाजेंगे।

कॉमेडी की दुनियां में एक और सितारे योगेश राजवाड़े का प्रवेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। योगेश राजवाड़ा जयपुर के कलाकार हैं। इनकी शरुआती पढ़ाई जयपुर में और बाकि पढाई मुंबई में हुई। ये 150 से ज़्यादा लोगो की आवाज़े निकलते हैं। बचपन से ही कोमेडियन और मिमिक्री आर्टिस्ट बनने की इच्छा थी। ये कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को अपना गुरु मानते है। लाफ्टर चैलेंज के बाद से ही योगेश राजवाड़ा राजू श्रीवास्तव के फैन बन गए। उन्ही के अंदाज़ में शो किया करते थे। राजू से जब भी मुलाकात होती थी, वे हमेशा आशीर्वाद देते थे और ये भी कहते थे तुम्हे समाज का भी सामना करना पड़ेगा। क्युकी ये काम डॉक्टर इंजीनियर वाला नहीं है, इसमें फेस बहुत करना पड़ता है। कई बार उन्ही की कॉमेडी उन्ही को सुना देता था। मुझे उनके शब्द याद है योगेश तुम एक सरल व्यक्ति हो और बहुत टैलेंटेड हो। कुछ न कुछ नया करते रहो। तुम अब स्टारडम से ज़्यादा दूर नहीं हो। अब राजू श्रीवास्तव हमारे बीच नहीं रहे। उनका जाना हास्य और कला जगत के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। आज के समय में लोग कॉमेडियंस जहां पर गंदे शब्दों का इस्तेमाल किया बिना कॉमेडी नहीं कर सकते, वही उन्होंने साफ सुथरी कॉमेडी कर लोगो को हंसाया। में भी साफ सुथरी कॉमेडी के पक्ष में हूँ और हमेशा रहूँगा। कॉमेडी ऐसी हो जिसे पूरा परिवार एक साथ बैठ कर देख सके। राजू श्रीवास्तव जी का जाना कॉमेडी एक युग का अंत है। हम उन्हें हमेशा उनके टैलेंट के ज़रिये याद करते रहेंगे। हम उनके वीडियो का इंतज़ार करते थे बहुत मज़ा आता था। आज सब कुछ धुन्धला नज़र आ रहा है। कॉमेडी का शहंशाह दुनिया से जा रहा है।

गरबा डांडिया में मां बेटे ने अपने मंच पर मचाई धमाल

जयपुर @ जागरूक जनता। चारों तरफ से नवरात्रि में दुर्गा माता के पांडाल सजे हैं तो कहीं मेले लगे हुए हैं कहीं विद्यालयों में गरबा और डांडिया की धूम मची हुई है। विद्याधर नगर स्थित भैरो सिंह स्टेडियम में दशहरा मेले के दौरान गरबा नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें बहुतसी युवतियां नृत्य कर रही थी मगर, कार्यक्रम में गरबा नृत्य के दौरान डॉ. हीना आकर्षण का केंद्र रही, जिन्होंने इस अवसर पर जमा कर गरबा नृत्य किया।

नन्हा उत्कर्ष बना आकर्षण का केंद्र : एक तरफ मां गरबा डांडिया की आकर्षण का केंद्र रही वहीं दूसरी ओर गोदारा दंपत्ति का पुत्र उत्कर्ष कहां पीछे रहने वाला था। उसने भी मंच पर खूब गरबा नृत्य किया। विद्याधर नगर सेक्टर 2 स्थित ग्रूमवेल विद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम गरबा डांडिया नृत्य में उत्कर्ष ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन पर सबका ध्यान आकर्षित किया।

कैनवास का 'वी मीन टूक्लीन' आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। समाज को वापस देने के लोकाचार के साथ, कैनवास इंटरनेशनल प्री स्कूल द्वारा 'वी मीन टूक्लीन' (सीजन-3) कार्यक्रम का 2 अक्टूबर को जयपुर, रेलवे स्टेशन पर आयोजन किया गया। कैनवास इंटरनेशनल प्री स्कूल, बच्चों को बुनियादी इमारत प्रदान करने वाली प्रमुख संस्था है, और सामाजिक कारणों के लिये प्रतिबद्ध है ।महात्मा गाँधी जी की 153 वीं जयंती मनाने के उपलक्ष्य में हमारे छोटे-छोटे कैनविंस ने गाँधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने में मदद की। छोटे-छोटे कैनविंस द्वारा स्वच्छता पर अलग अलग प्रॉप्स पहनकर और कविताएँ पढ़कर हमारे राष्ट्रीय गुण स्वच्छता व उसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई। हेमा हरचंदानी (संस्थापक-निदेशक कैनवास) ने अतिथि, मनोज भारद्वाज (पूर्व उप महापालिकाध्यक्ष), जी.डी. गुप्ता (जयपुर रेलवे डायरेक्ट) डॉ अनीता गौतम (बाल मनोवैज्ञानिक), डॉ मेधावी गौतम (पोषण विशेषज्ञ), नेहा गुप्ता (निर्देशक मंगलम बिल्डर्स), डॉ सुनीता वालया (संस्थापक ओमा फाउंडेशन), का स्वागत किया व स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किये। रेलवे की साफ-सफाई मे योगदान देने वाले कुछ सदस्यों को कैनवास की तरफ से पुरस्कृत किया गया तथा अंत में रेलवे के अधिकारियों को आयोजन के सफल बनाने में मदद करने के लिये आभार व्यक्त किया।

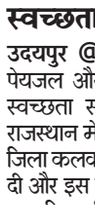

शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री सनातन ब्राम्हण महासंघ फाउण्डेशन (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरव भारद्वाज ने मानसरोवर निवासी आशीष शर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में उदयपुर जिला प्रथम

उदयपुर @ जागरूक जनता। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय का पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) की ओर से आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण (ग्रामीण) कार्यक्रम 2022 में उदयपुर जिले ने राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि देश में 60वें स्थान पर है। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने इस उपलब्धि के लिए पूरी टीम को बधाई दी और इस कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। जिला प्रमुख सुश्री ममता कुंवर ने भी इस उपलब्धि के लिए सभी के प्रयासों को सराहनीय बताया है।

सक्षम संस्थान ने मनाया डांडिया उत्सव

जयपुर। सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान ने पिछले दिनों एक दिवसीय डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 60 से अधिक महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। सक्षम संस्थान की सचिव ईवादीप सक्सेना ने बताया कि आयोजन से 2 दिन पूर्व निःशुल्क वर्कशॉप भी आयोजित की गई थी। अध्यक्ष ब्रज राज नारायण सक्सेना के अनुसार समय-समय पर संस्थान द्वारा विभिन्न कल्चरल आयोजन किए जाते रहते हैं। कार्यक्रम में महिला वर्ग के ममता वाल्मीकि प्रथम, गीता देवी द्वितीय रहे। बालक वर्ग में पीयूष शर्मा प्रथम, बालिका वर्ग में अनिका सक्सेना प्रथम, आव्या सक्सेना द्वितीय रहे। पुरस्कार स्वरूप बच्चों को बैग व स्टेशनरी दी गई।

विश्व हृदय दिवस: जागरूक कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर विश्व हृदय दिवस पर जी एल सैनी नर्सिंग कॉलेज मानसरोवर कि ओर से मानसरोवर स्थित संस्कार भवन में हृदय विकारों से सम्बंधित बचाव, लक्षण, परीक्षण, आधुनिक नई नई तकनीकी से उपचार आदि के बारे में बताया। कार्यक्रम के प्राचार्य डॉ.हितेश कुमार गौतम ने बताया कि उपप्राचार्य मनमीत सिंह, नर्सिंग ट्यूटर राजीव चतुर्वेदी,भुवनेश बंसल,कृष्ण कांत एवं अन्य साथी गण की उपस्थिति में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

हर दिल के लिए दिल का इस्तेमाल करे

जयपुर @ जागरूक जनता। विश्व हृदय दीवस पर प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. संजय कुमार बैरवा ने बताया कि यदि विश्व मे प्रकृति के साथ जीना है तो हर दिल के लिए दिल का इस्तेमाल करना चाहिए अर्थात use HEART for every HEART थीम को ध्यान में रखते हुए बताया कि प्रत्येक इंसान को उसके दिल से अगले इंसान के दिल की भावनाओ को समझकर चलना चहिए पर प्रकृति को बनाये रखने व जुड़े रहने के लिए भी दिल से लगाव रखना चाहिए। क्योंकि प्रत्येक मनुष्य का देह पंच तत्व (जल, पृथ्वी, वायु, आकाश, अग्नि) में विलीन होता है यदि प्रकृति के पंच तत्वों में विलीन होके रहना है तो हर मनुष्य अपने हृदय से प्रकृति से साथ जुड़ाव रखकर प्रत्येक मनुष्य के साथ दिल से जुड़ाव रखकर जीना चाहिए। साथ ही, विभिन प्रकार के हृदय बीमारियों से सम्बंधित बचाव के लिए प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित डाइट थैरेपी, उपवास चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा,एवं व्यायाम व प्राणायाम आदि पर ध्यान में रखते हुए बचाव रखना चाहिए ताकि उपचार लेने के जरूरत ही ना पड़े।

कच्ची बस्ती की 51 कन्याओं का सामूहिक पूजन

जयपुर @ जागरूक जनता। नवरात्री के पावन महोत्सव में मां दुर्गा स्वरुप कन्याओं के अस्तित्व के महत्व पर जोर देते हुए कच्ची बस्ती की 51 कन्याओं का शिल्प सृजन संस्था ने सामूहिक पूजन किया। पूजन के दौरान कन्याओं को कुमकुम से तिलक लगाया, माला पहनाई, भोजन करवाकर फल एवं उपहार आदि भेंट किए गए। इस अवसर पर यह सन्देश दिया गया कि समाज में कन्याओं का अपमान ना करे, उन्हे सम्मान के साथ जीने के लिए अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि वे भी समाज के साकारात्मक विकास में अपनी सहभागिता गर्व के साथ निभा सकें। तत्पश्चात मां दुर्गा की आराधना के लिए कच्ची बस्ती जवाहर नगर की किशोर बालिकाओ एवं माहिलाओ द्वारा शानदार रंग बिरंगे वस्त्र पहनकर सामूहिक गरबा नृत्य प्रस्तुत किए गए। डांडिया नृत्य में प्रतियोगिताएं भी रखी गई। अंत में विजेता टीमों और अन्य श्रेणियों के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाज सेविका शमाया बोथरा उपस्थित रहीं। इनके अलावा नीलम अग्रवाल, शसुषमा महेश्वरी, पायल अग्रवाल, शिखा तिवारी, शमनीषा शर्मा, सुधीर, रविन्द्र सोमानी, शालिनी शर्मा, सलोनी गुप्ता, हर्षित सोनी, रिमझिम, मुकुल आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संस्था सचिव कुलदीप सिंह एवं अध्यक्ष शिल्पी शाह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नन्हे-मुन्नों ने डांडिया की मचाई धूम

जयपुर @ जागरूक जनता। नवरात्रि के शुभ अवसर पर सीकर रोड स्थित स्कूल द सेंटा किड्स में नवरात्रि के पर्व पर डांडिया धूम 2022 का आयोजन बहुत ही धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ किया गया। स्कूल संचालिका सुनयना सोनी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बहुत ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया और डांडिया डांस की खूबसूरत प्रस्तुति दी। सभी बच्चों ने डांडिया नाइट का जमकर लुत्फ उठाया।

लोक मंगल समिति की बैठक सम्पन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। लोकमंगल समिति जयपुर की 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें गांधीजी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शनानुसार मनुष्य को जीवन में सत्य अहिंसा को अपनाकर जीना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्येंद्र सिंह सोलंकी एवं मुख्य वक्ता एसके शर्मा सेवानिवृत्त इनकम टैक्स कमिश्नर, रवि शंकर शर्मा सेवानिवृत्त व्याख्याता, पीडी शर्मा, अरुण शर्मा, शान्ति स्वरूप मिश्रा रहे। इस अवसर पर रामावतार शर्मा, रमन गोयल, गोविन्द गुप्ता, केसी जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष सतेंद्र सोलंकी एवं राम अवतार शर्मा द्वारा सभी को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

डूंडलोद में कृपा जी व्यास का भव्य स्वागत

डूंडलोद @ जागरूक जनता। कस्बे की कावासु हैरिटेज हवेली में अध्यक्ष राजस्थान राज्य पंचायत परिषद, अध्यक्ष डूंडलोद नागरिक परिषद, राजस्थान ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुभाष पाराशर के नेतृत्व में उदयपुर राजघराने के कथावाचक कृपा व्यास का भव्य स्वागत किया। सुभाष पाराशर ने कृपा व्यास का शाल ओढ़ाकर, साफा पहनाकर व श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। वही कृपा व्यास ने कवासु हेरिटज होटल का भी विजिट किया वही हवेली की शहराहन करते हुए कृपा व्यास ने कहा कि हेरिटज के रूप में अपनी पुरानी संस्कृति बचाये रख रहे हो वर्तमान में यह बहुत बड़ी बात। आने वाली पीढ़ी को भी हेरिटज से पता चलेगा कि हमारे दादा परदादा किस प्रकार से जीवन यापन करते थे। इस अवसर पर डूंडलोद सरपंच हरफूल पूनिया, दिनेश सिह शेखावत,उमादत्त तोलासरिया, शिवसेना प्रदेशाध्यक्ष शंकर लाल शर्मा, कस्तूर चंद मिश्रा, शिक्षाविद डॉ. केडी यादव, हुसैन खान, संतोष सिह शेखावत, आजाद, ऋषि, प्रवीण कुमार सहित बड़ी संख्या में लोगों आशीर्वाद प्राप्त किया।

विजयादशमी असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई की जीत का महापर्व है. भगवान श्रीराम ने नौ दिन तक आदि शक्ति की उपासना करके आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को रावण का संहार किया, तभी से विजयादशमी पर्व की शुरुआत हुई. यह अहंकार, काम, क्रोध, लोभ आदि दुर्गुणों पर विजय का संकल्प लेने एवं शुभ कार्यों की शुरुआत करने का भी पर्व है. इस विजयोत्सव पर पाठकों के लिए अपार शुभकामनाओं के साथ **जागरूक जनता** की विशेष प्रस्तुति ...

दशहरा

शक्ति की आराधना का उत्सव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
गोपाल पाण्डेय
ज्योतिषाचार्य

विजयादशमी कहें, दशहरा या फिर विजयोत्सव, इस पर्व को विजय, हर्ष और उल्लास का प्रतीक माना गया है. दशहरे का शाब्दिक अर्थ है-दस को हरने वाला. रावण को दशानन भी कहा जाता है. यदि हम जैन दृष्टि से देखें, तो पाते हैं कि रावण का सिर तो एक ही था, लेकिन उसके गले में दस मणियों का हार था. उसे देखने से दस सिर होने का भान होता था. इसे दूसरे अर्थ में देखें, तो पाते हैं कि वह इतनी प्रखर बुद्धि का स्वामी था, जिसका मस्तिष्क दस सिरों यानी दस मस्तिष्कों के मुकाबले काम करता था. लेकिन ऐसे प्रखर बुद्धि, बल, संपत्ति, धन-धान्य और चातुर्य का स्वामी रावण, जो अन्याय, अनीति, अहंकार और अधर्म का प्रतीक था, का वध धर्म और न्याय के प्रतीक पुरुष श्रीराम ने इसी दिन किया था. कहा जाता है कि इसी दिन महाभारत का युद्ध प्रारंभ हुआ था. असलियत में यह युद्ध भी अन्याय, अनीति, अहंकार और दुष्टाचरण का प्रतीक था. इसके विरुद्ध अभियान कहें या युद्ध, उसे न्याय, नीति, धर्म और सदाचार के रूप में जाना जाता है. विजय वही पूजित, सर्वमान्य, आदरणीय और मंगलकारी है, जो सर्वहितकारी और न्याय, धर्म, सदाचार, सच्चरित्रता का प्रतीक एवं नीति सम्मत हो. यथार्थ में विजयादशमी के पर्व का यही पाथेय भी है.

दरअसल, विजय शब्द ऐसा है जिसकी कामना व्यक्ति के जीवन में सदैव रहती है. जीवन के हर क्षेत्र में वह कभी अपना पराभव नहीं चाहता. विजय की भावना व्यक्ति को उल्लास और उमंग के वातावरण से सराबोर कर देती है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार आश्विन शुक्ल दशमी के दिन अंतरिक्ष में चंद्र और नक्षत्र का ऐसा योग मिलता है, जिसके कारण इस दिन को विजय मुहूर्त में सर्वश्रेष्ठ माना गया है. प्राचीन भारतीय समाज में भी सभी वर्ग के लोग अपने-अपने अभीष्ट शुभ कार्य इसी दिन प्रारंभ करते थे. यह परंपरा आज भी हमारे समाज में है. चाहे व्यापारी हों या साधारण जन, राजनेता हों या किसान शुभ कार्यों का शुभारंभ आज के ही दिन करना मंगलकारी मानते हैं. क्षत्रिय अपने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा-अर्चना करते हैं. वणिक अपने व्यापारिक यंत्रों, बाट-माप-तराजू, कपड़ा व्यापारी गज आदि की पूजा करते हैं. प्राचीनकाल में राजा अपनी प्रजा और राज्य की रक्षा के लिए आज के ही दिन अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित हो रणांगण में युद्ध के लिए प्रस्थान करते थे. भविष्योत्तर पुराण के अनुसार क्षत्रिय राजा किसी अत्याचारी, अन्यायी या आततायी के नाश के लिए विजय की आशा- आकांक्षा से शत्रु का एक पुतला बनाकर बाण से उसे बेध कर युद्ध के लिए प्रस्थान करते थे. यह प्रथा एक तरह से जनता में विश्वास पैदा करने और आत्म विश्वास जगाने की दृष्टि से प्रचलित थी. कालांतर में अयोध्या नरेश दशरथ के पुत्र राम द्वारा लंकापति रावण के वध के उपरांत आश्विन शुक्ल दशमी को अन्याय पर न्याय और अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में विजय पर्व दशहरा या विजयादशमी के रूप में देश के अधिकांश हिस्सों में मनाया जाने लगा.

यथार्थ में यह पर्व समाज के स्वरूपों, प्रवृत्तियों और दिशा को समझने-बूझने की एक जबरदस्त कसौटी है. यह हमें राजनीति के अर्थ, राजनीति और कूटनीति के भेद-विभेद, परस्पर संबंधों के निर्धारण के सिद्धांत, रण-कौशल, शासन-व्यवस्था के लिए आवश्यक चातुर्य आदि का विस्तृत ज्ञान देता है. इसके कुछ पात्र ऐसे हैं, जो शुरू से ही समाज में अपनी पैठ बनाये हुए हैं. हम यदि उनके बारे में सही समझ पैदा करने में कामयाब हो सकें तथा उसको मर्यादित करने के तौर-तरीकों के बारे में जान सकें, तो राम राज्य की कल्पना को साकार कर पाना असंभव नहीं होगा. असलियत में यह पर्व हमें अपने अंदर के दशानन को पहचानने, उसका दमन करने का संदेश देता है. लेकिन दुख इस बात का है कि फिर भी हम अपने अंदर बैठे दर्जनों रावण को समय के भरोसे छोड़ वैसा ही रहने देते हैं. क्या उसका दमन किये बगैर विजयादशमी सार्थक हो सकती है?

जहां तक शक्ति का सवाल है, हमारे मनीषियों की स्पष्ट मान्यता रही है कि शक्तिलाभ के उद्देश्य से ही समस्त भारतीय शास्त्रों की रचना हुई है. नवरात्र में पूजा-जप-तप-व्रत और स्तोत्र पाठ भी इसी शक्ति पूजा के प्रतीक हैं. पूजा के इन नौ दिनों के उपरांत लोकमाता विजया के पूजन के रूप में मनाया जाने वाला पर्व 'विजयादशमी' भी विजय उत्सव ही है. यथार्थ में श्री राम मात्र रावण विजेता नहीं थे, वह कर्म विजेता थे. उन्होंने युद्ध से पूर्व शक्ति की पूजा की, आराधना की, साधना की और शक्ति प्राप्त कर विजय प्राप्त की, इसलिए बाह्य साधनों के साथ-साथ आंतरिक शुद्धता, शक्ति संपन्नता, धर्मानुसरण और सत्य के मार्ग का पथिक होना मनुष्य के लिए परमावश्यक है. यही विजयादशमी का संदेश है.

असलियत में विजय पर्व का यथार्थ यही है कि हम इसे रावण पर राम की विजय कहें या अधर्म पर धर्म की विजय. लंका कांड के अंत में वर्णित दोहे-'समर विजय रघुवीर के चरित जे सुनहिं सुजान. विजय विवेक विभूति नित तिन्हि देहिं भगवान.' के अनुसार विजय विवेक और विभूति नामक इन तीन वस्तुओं का मानव जीवन में बड़ा महत्व है. यह उन्हीं को प्राप्त होती हैं, जो सुजान होते हैं. सुजान का तात्पर्य है सद्कर्म और सदाचरण का पालन करने वाला. मानव के संपूर्ण जीवन में इन तीन वस्तुओं की परीक्षा पल-पल पर होती है. यदि हम इस पर्व के परिप्रेक्ष्य में छिपे संदेशों पर चिंतन-मनन करें और उनका पालन व निर्वाह अपने जीवन में करें, तभी इस पर्व की सार्थकता संभव है अन्यथा नहीं. इस अवसर पर हमें पुनरीक्षण करना होगा और अपने मन से यह निकाल देना होगा कि अकेले रावण का पुतला जलाने से बुराई का खात्मा हो जायेगा. हमें अपने अंदर के रावण पर विजय प्राप्त करनी होगी, तभी विजय पर्व दशहरा यानी विजयादशमी की सार्थकता सिद्ध होगी. यही हम सबके लिए गर्व का विषय होगा.

लीला एक रूप अनेक

अनिल मिश्रा

विजयादशमी के अवसर पर उत्तरी भारत में 'रामलीला' परंपरागत रूप से खेला जानेवाला श्रीराम के चरित्र पर आधारित लोक नाटक है. देश के विविध प्रांतों में ही नहीं, विदेशों में भी रामलीला का अलग-अलग शैलियों में मंचन किया जाता है.

मुखौटा रामलीला

इंडोनेशिया और मलेशिया में लखोन या ल्खोन के माध्यम से रामायण के अनेक प्रसंगों को मंचित किया जाता है. ल्खोन इंडोनेशियाई मूल का शब्द है, जिसका अर्थ नाटक है. कंपूचिया की भाषा खमेर में खोल का अर्थ बंदर होता है. इसलिए ल्खोनखोल को बंदरों का नाटक या हास्य नाटक कहा जा सकता है. मुखौटा नाटक के माध्यम से प्रदर्शित की जानेवाली रामलीला को थाईलैंड में ल्खोन कहा जाता है. इसमें संवाद के अतिरिक्त नृत्य, गीत एवं हाव-भाव प्रदर्शन की प्रधानता होती है. बर्मा की मुखौटा रामलीला को यामप्वे कहा जाता है. बर्मा की रामलीला स्याम यानी थाईलैंड से आयी थी, लेकिन बर्मा आने के बाद यह स्याम की रामलीला नहीं रह गयी, बल्कि पूरी तरह बर्मा के रंग में डूब गयी.

छाया रामलीला

विविधता और विचित्रता के कारण छाया नाटक के माध्यम से प्रदर्शित की जानेवाली रामलीला मुखौटा रामलीला से भी निराली है. इसमें जावा एवं मलेशिया के वेयांग और थाईलैंड के नंग का विशिष्ट स्थान है. जापानी भाषा में वेयांग का अर्थ छाया है. इसलिए यह अंग्रेजी में शैडोप्ले और हिंदी में छाया नाटक के नाम से विख्यात है. छाया नाटक के माध्यम से रामलीला का प्रदर्शन पहले तिब्बत और मंगोलिया में भी होता था. थाईलैंड में छाया-रामलीला को नंग कहा जाता है. नंग के दो रूप है-नंगयाई व नंगतुलुंगनंग. नंगतुलुंगनंग का अर्थ चर्म या चमड़ा, याई का अर्थ बड़ा है.

कुमाऊंनी रामलीला

उत्तराखंड के कुमाऊं अंचल में रामलीला मुख्यतः गीत-नाट्य शैली में प्रस्तुत की जाती है. यहां रामलीला के मंचन की शुरुआत अठारहवीं सदी के मध्यकाल के बाद हो चुकी थी. बताया जाता है कि कुमाऊं में पहली रामलीला 1860 में अल्मोड़ा के बद्रेश्वर मंदिर में हुई, जिसका श्रेय तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर देवीदत्त जोशी को जाता है. बाद में नैनीताल, बागेश्वर व पिथौरागढ़ में क्रमशः 1880, 1890 व 1902 में रामलीला नाटक का मंचन प्रारंभ हुआ. अल्मोड़ा नगर में 1940-41 में विख्यात नृत्य सम्राट पंडित उदय शंकर ने छाया चित्रों के माध्यम से रामलीला में नवीनता लाने का प्रयास किया.

आध्यात्मिक दृष्टि में रामायण के पात्र

महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के प्रमुख पात्रों के जरिये विजय पर्व की व्याख्या...

राम : राम वास्तव में निराकार शिव हैं, जो संगम युग पर धरा पर अवतरित होकर अपनी बिछड़ी हुई सीता (सतयुगी आत्मा) को रावण (विकारों) के चंगुल से छुड़ाने आये हैं.

सीता : हर वह आत्मा जो वास्तव में पवित्र है, परंतु आज रावण के चंगुल में फंसने के कारण व्यथित हो गयी है.

हनुमान : धरा पर अवतरित हुए परमात्मा को सर्वप्रथम पहचानने वाली आत्मा (ब्रह्मा बाबा) ही हनुमान हैं.

वानर सेना : साधारण दिखनेवाली मनुष्य आत्माएं ईश्वर (राम) को पहचान कर, रावण राज्य (पतित सोच पर आधारित दुनिया) को समाप्त करने में राम का साथ देनेवाली संसार की 33 करोड़ आत्माएं ही वानर सेना है.

रावण : पतित व विकार युक्त सोच एवं धारणा ही रावण है, जिसमें फंसी हर आत्मा विकर्मों के बोझ तले दबती जा रही है.

लंका : पुरानी पतित दुनिया, जहां हर कार्य देहभान में व विकार ग्रस्त होकर किया जाता है, वही रावण नगरी लंका है.

विजयादशमी : बुराई पर सच्चाई की जीत

आश्विनस्य सिते पक्षे दशम्यां तारकोदये।
स कालो विजयो ज्ञेयः सर्वकार्यार्थसिद्धये॥

विजयादशमी शक्ति और शक्ति के समन्वय का पर्व है. आपका मन एक कल्पवृक्ष है. जीवन में विजयी रहने के लिए सही समय पर उचित कार्य पूर्ण ऊर्जा के साथ संपन्न करें, विजय अवश्य मिलेगी.

प्रथम मान्यता : ऐसा माना जाता हैं कि देवी दुर्गा ने 9 रात्रि व 10 दिनों तक लगातार युद्ध करने के उपरांत आज ही के दिन महिषासुर को मारकर विजय प्राप्त की थी.

दूसरी मान्यता : मान्यता है कि श्री राम ने 10 दिनों तक लगातार युद्ध करने के बाद आज के दिन रावण पर विजय प्राप्त की थी.

अहंकार करनेवालों के लिए दशहरा एक उदाहरण : दशहरा का पर्व हमें सिखाता है कि रावण जैसा शक्तिशाली, बुद्धिमान व्यक्ति का भी अहंकार टूट गया, इसलिए कभी अहंकार न करें.

क्यों है दशहरा अबूझ मुहूर्त : दशहरे के दिन नये व्यापार या कार्य की शुरुआत करना, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, स्वर्ण, आभूषण, नये वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है. इस दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है. शस्त्र-पूजा की जाती है. दशहरे को सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में जाना जाता है, क्योंकि इस दिन मां दुर्गा पृथ्वी से अपने लोक के लिए प्रस्थान करती हैं.

खुशहाली के लिए करें ये उपाय

- विजयदशमी के दिन शमी के वृक्ष की पूजा करें. संभव हो तो इस दिन घर में शमी का पेड़ लगाएं और नियमित दीप दिखाएं. मान्यता है कि दशहरे के दिन कुबेर ने राजा रघु को स्वर्ण मुद्राएं देने के लिए शमी के पत्तों को सोने का बना दिया था.
- रावण दहन के बाद बची हुई लकड़ियां मिल जाएं, तो घर में कहीं सुरक्षित रख दें. नकारात्मक शक्तियां घर में प्रवेश नहीं करेंगी.
- दशहरे के दिन लाल रंग के नये कपड़े या रुमाल से मां दुर्गा के चरणों को पोंछ कर उसे तिजोरी या अलमारी में रखें. घर में बरकत बनी रहती है.
- दशहरे के दिन देवी यात्रा करती हैं, इसलिए यह दिन यात्रा के लिए शुभ दिन माना जाता है. इस दिन संभव हो तो, छोटी दूरी की ही सही, यात्रा करें. यात्रा की बाधाएं दूर होती हैं.
- दशहरे के दिन सिर पर जयंती रखें और 'ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।।' मंत्र का जाप करें. इससे आरोग्य सुख की प्राप्ति होती है.

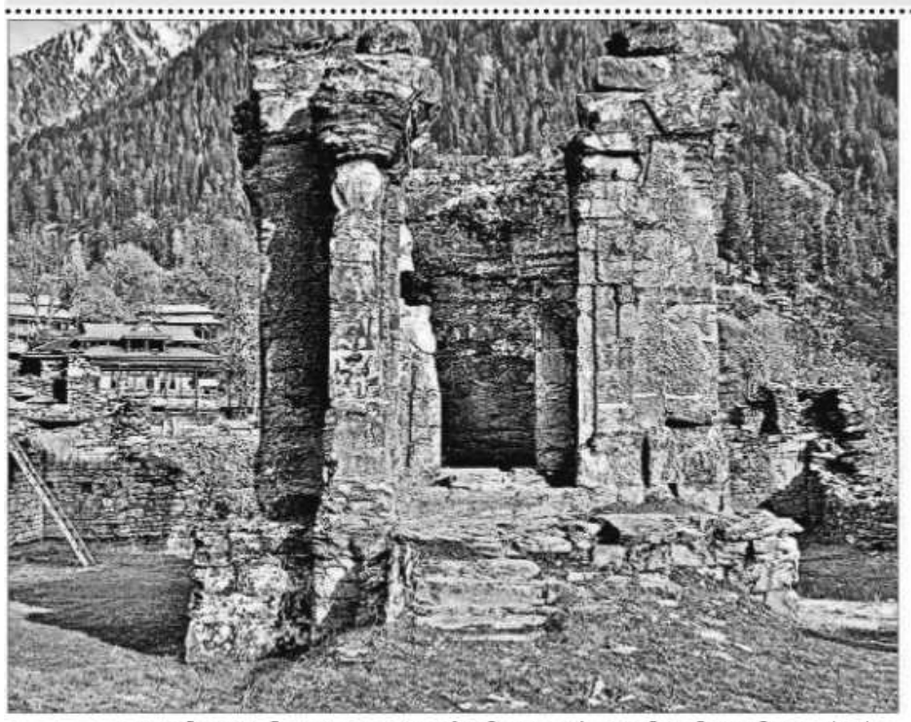

शारदा पीठ, भारतीय सभ्यता व संस्कृति की पहचान है. इस पीठ की भारतीय मूल्यों को मध्य एवं पूर्व एशिया में प्रसारित करने में महती भूमिका रही है.

आस्था व ज्ञान का अधिष्ठान है शारदा पीठ

प्रशांत त्रिवेदी

मां शारदा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी हैं. इन्हें एक पवित्र नदी व वाग्देवी के रूप में भी जाना जाता है. मां शारदे को समर्पित शारदा शक्तिपीठ पाकिस्तान के अवैध कब्जे में नियंत्रण रेखा से मात्र 17 मील दूर किशनगंगा नदी के तट पर स्थित है. शरडी गांव में मंदिर के नाम पर सिर्फ एक भग्नावशेष बचा हुआ है. यह पीठ न केवल 18 प्रमुख शक्तिपीठों में प्रमुख शक्तिपीठ है, अपितु केवल सरस्वती देवी को समर्पित यह एकमात्र मंदिर है. पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शंकर ने देवी सती के शव के साथ जो तांडव किया था, उसमें माता सती का दाहिना हाथ यहीं पर गिरा था. तक्षशिला, काशी, नालंदा की भांति यह मंदिर भारतीय विद्या अध्ययन का एक प्रमुख केंद्र था. ग्यारहवीं शताब्दी में यहां पांच हजार से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ते थे. इस विशाल पुस्तकालय में पाणिनि, बौधायन सहित अन्य विद्वानों द्वारा लिखे गये ग्रंथ संग्रहीत थे. एक प्रसंग मिलता है कि बारहवीं सदी के प्रमुख व्याकरणाचार्य हेमचंद्र ने अपने ग्रंथ 'सिद्धहेमचंद्र' लिखने से पूर्व प्रमुख आठ व्याकरण ग्रंथों का अध्ययन किया था और ये सभी शारदा पीठ में उपलब्ध थे, जिसे उन्होंने बहुत प्रयत्नपूर्वक प्राप्त किया था. इसी प्रकार जब आचार्य रामानुज को ब्रह्मसूत्र पर श्रीभाष्य की रचना करनी थी, तो उनको 'बोधायन व्रती' को देखना अनिवार्य हो गया था और यह ग्रंथ केवल शारदा पीठ में उपलब्ध था. कई महीनों की यात्रा कर रामानुजाचार्य शारदा पीठ पहुंचे थे. शंकराचार्य भी यहां आये थे. उनके बारे में बहु प्रचलित कथा है कि इस शारदा मंदिर (निलय) में चारों दिशाओं में चार द्वार थे. आचार्य शंकर से पूर्व अनेक विद्वान तीन द्वारों (पश्चिम, पूर्व एवं उत्तर दिशा) से इस मंदिर में प्रवेश कर चुके थे, किंतु दक्षिण दिशा से किसी भी आचार्य का प्रवेश नहीं हुआ था, जिसके कारण किसी को सर्वज्ञपीठ की उपाधि नहीं प्राप्त हुई थी. आचार्य शंकर ने दक्षिण द्वार से शारदा पीठ में प्रवेश लिया अर्थात दक्षिण द्वार पर बैठे न्यायदर्शन, बौद्ध व जैन विद्वानों को शास्त्रार्थ में पराजित किया एवं सर्वज्ञपीठ पर आसीन हुए. प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग (630 ई.) ने शारदा पीठ में अपने जीवन के दो वर्ष व्यतीत किये थे और इसे ज्ञान की भूमि कहा. अलबरूनी ने भी शारदा देवी और इस केंद्र के बारे में अपनी किताब में लिखा है.

वास्तव में जम्मू-कश्मीर विद्वानों की भूमि रहा है. यहां पाणिनि, अभिनवगुप्तपाद, नागार्जुन, मेधातिथि जैसे विद्वान रहे और इसे सरस्वती प्रदेश कहा जाता रहा. यह न्याय दर्शन का भी प्रमुख केंद्र रहा है. यह भी माना जाता है कि न्याय दर्शन के प्रणेता गौतम का जन्म शारदा पीठ के पास ही हुआ था. विभिन्न विद्वानों ने इसी पीठ में रहकर काव्य शास्त्र, तंत्रशास्त्र, वेदों के भाष्य के साथ-साथ अनेक नाट्यशास्त्र विषयों पर अनेक रचनाएं लिखीं. इसी शारदा पीठ से शारदालिपि का उद्भव हुआ, जिससे आगे चलकर अनेक अन्य लिपियों जैसे प्राचीन नागरी, गुरुमुखी, टाकरी आदि का विकास हुआ. कुमार जीव जैसे अनेक बौद्ध विद्वान भी शारदा पीठ से संबद्ध रहे. भारतीय सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक इस शारदा पीठ को मध्यकाल में सिकंदर बुतशिकन ने खंडित कर दिया. वर्ष 1422 में जैनुल आबदीन ने भी इस शारदा पीठ का दर्शन एवं इसकी चमत्कारी घटनाओं का साक्षात्कार किया था. इसके बाद जम्मू-कश्मीर के डोगरा शासक महाराज गुलाब सिंह ने 1846 में इस मंदिर की देख-रेख की व्यवस्था की थी. किंतु धीरे-धीरे यह पीठ उपेक्षित होता गया एवं वर्तमान स्थिति को प्राप्त हुआ. शारदा पीठ के बिना पूर्ण भारत की कल्पना अधूरी है. शारदा पीठ, भारतीय सभ्यता व संस्कृति की पहचान है. इस पीठ की भारतीय मूल्यों को मध्य एवं पूर्व एशिया में प्रसारित करने में महती भूमिका रही है. आज भी दक्षिण भारत में विद्यारंभ संस्कार में उत्तर दिशा की ओर शारदा पीठ को प्रणाम करते हैं. कर्नाटक में यज्ञोपवीत संस्कार करते समय बटुक अपने सात कदम कश्मीर की ओर बढ़ाता है और शारदा मंत्र को दुहराता है-

नमस्ते शारदे देवी काश्मीरपुरवासिनी।
त्वामहं प्रार्थये नित्यं विद्यादानं च देहि मे॥

जिम्मेदारों के नाक के नीचे पिण्डवाड़ा ब्लॉक मुख्यालय पर चल रहा हैं झोलाछाप डॉक्टरो का बड़ा खेल

झोलाछाप डॉक्टर जिंदगी से कर रहे खिलवाड़

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पिण्डवाड़ा। ज़िम्मेदारों कि उदासीनता कहें या आपसी साठगांठ जिसके चलते ज़िले में आज झोलाछाप डॉक्टर बेख़ौफ़ है। पिण्डवाड़ा तहसील मुख्यालय पर एक नहीं दो नहीं करीब एक दर्जन से ज्यादा झोलाछाप डॉक्टर जमकर विधि विरुद्ध इलाज करके क्षेत्र कि निर्धन जनता को मौत के आगोश में धकेल रहें हैं। साथ ही इलाज के नाम पर भारी भरकम राशि वसूल कर पीड़ित ग़रीब जनता का खुलेआम आर्थिक शोषण कर रहें है। यह सब पिण्डवाड़ा उपखंड मुख्यालय पर बीसीएमओ कार्यालय से महज कुछ दूरी पर खुलेआम चल रहा जहाँ से अक्सर विभागीय जिम्मेदार गुज़रते भी है। परन्तु उनकी मौन स्वीकृति गम्भीर सवालों के घेरे में है..? जब पिण्डवाड़ा उपखंड मुख्यालय से करीब 50 से 60 किलोमीटर दूरी तय करके कार्रवाई हो सकती है, तो फिर महज कुछ मीटर की दूरी पर अवैध रूप से चल रहें क्लिनिक पर अब तक कार्रवाई न करने के पीछे क्या वजह छुपी है..? क्या इन झोलाछाप डॉक्टरों की जिम्मेदारों से कोई साठगांठ है..? यदि नहीं तो फिर उन पर मेहरबानी क्यों...? वहीं यह बात भी शायद किसी के जहन में उतरे कि विभागीय जिम्मेदारों को इसका पता न हो..? जबकी चर्चाओं के विषय मे जिम्मेदारों की इस मेहरबानी की भी कई रूप में चर्चा हो रहीं हैं।

स्टेरॉइड दवाइयाँ बन सकती है पीड़ितों के लिए जानलेवा

चिकित्सा विभाग के एक्सपर्ट की माने तो स्टेरॉइड युक्त दवाइयों का ज्यादा सेवन करने से कई नुकसान शरीर मे होते हैं। स्टेरॉइड दवाइयाँ तब दी जाती है, जब मरीज की सेहत व जिंदगी के बचाव के लिए देना बहुत जरूरी हो जाए। जैसे गंभीर एलर्जी में, सांस या अस्थमा में, ऑटो इम्युन बीमारियां जैसे गठिया, ट्रांसप्लांट आदि । यदि मरीज को लंबे समय तक यह दवा देनी हो तो इसकी मिनिमम इफेक्टिव डोज (एमईडी) सैट की जाती है। और उसी के अनुरूप दवा लेने को कहा जाता है। इसका गैर जरूरी और लंबे समय तक उपयोग करने से ब्लड शुगर बढ़ना, सूजन आना, हड्डियों में कैल्शियम की कमी, अल्सर, मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होना आदि सामान्य हैं। आम तौर पर हम लोग भी इसे लास्ट स्टेज वाली दवा मानते हैं। नॉनक्वालिफाइड कहें या अशिक्षित लोग इन दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में समझते नहीं है।

जानलेवा दुष्प्रभाव

झोलाछाप क्लिनिक पर हाईडोज की वजह से तुरंत राहत मिलने की वजह से लोग ज्यादा आकर्षित है। तत्काल राहत मिलने से लोग सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों की बजाय झोलाछाप के पास जाते हैं। एक बार किसी व्यक्ति के हाईडोज लग गई, तो बाद में सरकारी अस्पताल की सामान्य दवा का कोई असर नहीं रहता। इसी वजह से सरकारी अस्पताल में तत्काल राहत नहीं मिल पाती। एंटीबायोटिक व अन्य दवा से मरीजों को हाई ट्रीटमेंट देता है। इससे मरीज को तुरन्त राहत मिल जाती है, लेकिन उसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी कई होते हैं।

स्थानीय लोगो की मजबूरी का दावा

लोगों का झोलाछाप डॉक्टरों के प्रति विश्वास बढना उनकी तत्काल उपलब्धता है। सरकारी अस्पतालों में संसाधन है, मगर चौबीस घंटे के लिए स्टाफ व डॉक्टर नहीं है। अस्पताल में फ्री की दवा असर नहीं करती। इस तरह का भ्रामक प्रचार झोलाछाप करते है। जिससे लोग झोलाछाप पर विश्वास कर रहे हैं। साथ ही तत्काल इलाज की चाहत में सरकारी अस्पताल में भीड़-भाड भी आम बात हैं। चिकित्सकों का नहीं मिलना, जांच रिपोर्ट देरी से मिलना भी बड़ी समस्या है। लोग तत्काल इलाज के चक्कर में झोलाछाप के पास चले जाते हैं। वही झोलाछाप इलाज की होम डिलीवरी गांव में घर घर जाकर मरीज का इलाज कर देता हैं। चिकित्सक भी सीधे हाईडोज नहीं देता। इसके चलते लोग झोलाछाप को ज्यादा तवज्जो देते हैं। ये झोलाछाप बोलने में एक्सपर्ट होते हैं। चौबीस घंटे इलाज के लिए कहीं भी जाने को तैयार रहते हैं। इसलिए लोग उनके चक्कर में आ जाते हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों का निर्धारण

ऐसा कोई भी चिकित्सक जो इंडियन मेडिकल काउंसिल व सेंट्रल काउंसिल फोर इंडियन मेडिसिन से पंजीकृत न हो, झोलाछाप डॉक्टर की श्रेणी में आता है। साथ ही मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के अधिनियम 1956 के शिड्यूल 1, 2 व 3 के तहत चिकित्सीय योग्यता नहीं रखता हो। ऐसे सभी डॉक्टर जो प्रैक्टिस करने वाले प्रदेश से पंजीकृत न हों, जो मुख्य चिकित्सा के अधीन पंजीकृत न हो। ऐसे डॉक्टरों को अवैध डॉक्टर की संज्ञा दी गई है।

इस लिये पनप रहें झोलाछाप डॉक्टर

देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की इन तीन बड़ी कमियों, लचर ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाएं, डॉक्टरों की कमी और महंगे निजी इलाज का फायदा सीधे तौर पर झोलाछाप डॉक्टरों को मिलता है। ऐसे में गांव-कस्बों की बड़ी आबादी इनसे इलाज करा रही है क्योंकि, लोगों को इलाज के लिए यह सहज तौर पर उपलब्ध होते हैं और कम खर्च में इलाज करते हैं। झोलाछाप डॉक्टर भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की अहम सच्चाई हैं। इन्हें कहीं 'ग्रामीण चिकित्सक' का नाम मिला है तो कहीं 'बंगाली डॉक्टर' और 'झोलाछाप डॉक्टर' कहकर पुकारा जाता है। ये वो लोग हैं जिन्होंने

डांडिया महोत्सव में थिरकी महिलाएं, झूम उठा गाँव

पिंडवाड़ा (झाड़ौली) @ जागरूक जनता। नवरात्री में गरबा महोत्सव के दौरान भक्तों ने खूब धूम मचाई। महाआरती के समय बड़ी सख्या में श्रद्धालु बढ़चढ़ कर भाग लेते नजर आए। राजस्थानी एवं गुजराती गानों पर रंग बिरंगी वेषभूषा में अलग-अलग टीमों द्वारा अपनी-अपनी कला को प्रस्तुत किया। ग्राम झाड़ौली व आसपास के अन्य गांवों में भी गरबा के डांडियों की खनक सुनाई दी। स्थानीय गरबा कमेटियों द्वारा अलग अलग ग्रुप बनाकर व्यवस्था कर सँभालने मे अपना पूरा सहयोग किया गया।

गांधी, शास्त्री जयंती पर सर्वधर्म सभा आयोजित

जालौर (आहोर) @ जागरूक जनता। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर भाजपा और कांग्रेस दोनों एक साथ और अस्पताल में महात्मा गांधी की मूर्ति पर पुष्प एवं श्रद्धांजलि दी और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक छगनसिंह राजपुरोहित एवं कांग्रेस पी पी सी सदस्य सवाराम पटेल एवं उपप्रधान अमृतलाल प्रजापत एवं पूर्व विधायक शंकरसिंह राजपुरोहित ने गांधी जी के विचारों पर चलने की राह बताई। कार्यक्रम में विकास अधिकारी मंछाराम एवं डॉ पुरनमल मुनोत एवं पार्टी पदाधिकारी मांगीलाल प्रजापत आमसिंह परिहार मोडाराम प्रजापत उदयराज मेघवाल प्रमोद नामदेव भंवरलाल सिंघल कालुराम निम्बला गणपत दवे मुकेश राठी हिम्मताराम मेघवाल धनसिंह नोसरा पोपटलाल गोदन सहित कई उपस्थित थे।

गौड़ ने किया मॉडल आँगनबाड़ी केंद्र का शुभारम्भ

श्रीगंगानगर @ जागरूक जनता। शिशु शिक्षा सदन स्कूल ,सत्संग बिहार में मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र 41बी का उद्घाटन विधायक राजकुमार गौड़ द्वारा किया गया। जिसमें अतिथि स्वरूप महिला एवं बाल विकास निदेशक रीना छिंपा, यूआईटी सचिव मुकेश बारहठ, बाल विकास योजना अधिकारी अनिल कामरा, स्वर्णकार सभा अध्यक्ष आकाशदीप सोनी ठाकराण, महिला पर्यवेक्षक सुनीता, सुषमा बत्रा व अनिल सोनी, नरेन्द्र शर्मा, पदम कौशिक सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिशु शिक्षा सदन स्कूल के व्यवस्थापक बहादुर राम सोनी एवं प्रधानाचार्य प्रेमलता सोनी के द्वारा सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। अंत मे बच्चों को विधायक राजकुमार गौड़ के द्वारा निशुल्क पुस्तक व कॉपी वितरित की गई ।

अदबी उड़ान सातवां राष्ट्रीय सम्मान, कई साहित्यकार होंगे सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। अदबी उड़ान संस्था की सातवां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित होगा। संस्था से दिये जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों एवं सम्मानों की घोषणा की गयी। संस्था अध्यक्ष खुर्शीद शेख 'खुर्शीद' ने बताया कि आदमी उड़ान संस्था का 7वां राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन 16 अक्टूबर को किया जा रहा है जिसमें बीकानेर की संगीता सेठी को अदबी उड़ान बहुआयामी पुरस्कार 5 हजार रु. का दिया जायेगा। अदबी उड़ान गजल साहित्यकार सम्मान डॉ. गणेश लाल गायकवाड बुलडाणा महाराष्ट्र को, गीत सम्मान प्रो.दिवाकर दिनेश, गोधरा गुजरात, काव्य सम्मान इन्दु सिन्हा इन्दु रतलाम, बाल-साहित्य पुरस्कार डॉ. हुसैनी बोहरा उदयपुर, राजस्थानी भाषा पुरस्कार वीरेन्द्र सिंह लखावत सोजत सिटी। कहानी सम्मान भारती अंशुमान तिवारी जयपुर, नवोदित महिला सम्मान डॉ. निर्मला शर्मा नीलोफर उदयपुर, महिला सम्मान डॉ. मधु खण्डेलवाल अजमेर प्रत्येक को 1 हज़ार रु. दिया जायेगे। शेख ने आगे बताया कि अदबी उड़ान विशिष्ट साहित्यकार सम्मान में डॉ. योगेश कुमार सिंहल योगी नाथद्वारा, डॉ. राजपाल जी हनुमानगढ़ को सम्मानित किया जायेगा। यह पुरस्कार एवं सम्मान 16 अक्टूबर को आयोजित भव्य समारोह में दिये जायेंगे। पुरस्कृत सम्मानित साहित्यकारों को सम्मान में शाल, पाग, उपरणा, प्रशस्ति पत्र, श्रीफल एवं राशि भेंट की जायेगी।

कालिका माता मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित

जालौर @ जागरूक जनता। जिला रावणा राजपूत महासभा, युवा महासभा एवं नगर शाखा जालोर के तत्वाधान में रावणा राजपूत सभा भवन एवं छात्रावास में कालिका माता मंदिर का प्रथम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक विर म सिंह परमार ने बताया कि गोविंद नाथ जी, सागर नाथ जी संतों के सानिध्य में रावणा राजपूत महासभा जिला अध्यक्ष राजू सिंह राजपुरा ,युवा महासभा जिला अध्यक्ष एडवोकेट श्रवण सिंह सिसोदिया, नगर अध्यक्ष धन सिंह परमार और मनजीत सिंह भाटी के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस सप्तमी के दिन शाम को एक शाम कालिका माता के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक राजू जालोरी, पुखसिंह भाटी, प्रदीप सिंह मांगलिया, अभिमन्यु सिंह मांगलिया, हेमेंद्र सिंह परमार द्वारा माता जी और भेरू जी के शानदार भजनों की प्रस्तुति दी गई जिससे पूरी रात समाज बंधुओं ने जमकर आनंद लिया और मां भगवती की आराधना की, मंच संचालन अनोप सिंह भाटी ने किया। भजन संध्या में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, वाहन रैली एवं वार्षिक उत्सव के भामाशाह का बहू मान भी किया गया, भजन संध्या में समाज के वरिष्ठ, युवा और महिलाएं उपस्थित थी। दूसरे दिन अष्टमी को सुबह हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नारकीय जीवन जीने को मजबूर 4 बस्ती के वासी, प्रशासन बेखबर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आहोर @ भानू रेड़डी। यहां अनुसूचित जाति व जनजाति बाहुल्य की चार बस्तियों में प्रशासन द्वारा सुध नहीं लेने से इन बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। जिससे यहां के बाशिंदे नारकीय जीवन जीने को मजबुर है।

आहोर से जालोर एवं जोधपुर जाने वाले तिराहे की मुख्य सड़क के एक ओर ये चारों बस्तियों स्थिति है। इनमें जाने का मुख्य मार्ग पीडब्ल्यूडी डाक बंगला कार्यालय से हैं। यहां बनें नाले से चारों बस्तियों अलग अलग बंटती हैं एवं नाला इन चारों बस्तियों का केंद्र बिंदु है। ये मेघवाल बस्ती मीणो की बस्ती भीलों की बस्ती एवं हरिजनों की बस्ती सरगरो की बस्ती नाम से जानी जाती हैं। ये मेघवाल बस्ती आहोर के वार्ड संख्या तीन में मीणो की बस्ती दो मैं भीलों की बस्ती की नई बस्ती एवं हरिजनों की बस्ती उपखंड मुख्यालय से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर है। इन बस्तियों के ठीक बीच में एक नाला बना हुआ है जहां महीलाओं को खुले में शौच जाने पर मजबुर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर नाले की चार दीवारी नहीं होने से छोटे बच्चों के नाले में गिरने की संभावना बनी रहती है राजकीय प्राथमिक विद्यालय के सामने दो से पांच फीट तक के गड्ढ़े हैं जिससे विधार्थियों को परेशानी उठानी पड़ती हैं। वर्षा के समय में गहरे गड्ढ़े पानी से भर जाते है। जिससे यह बस्ती एक तालाब का रूप धारण कर लेती हैं। यहां के बाशिंदे पेयजल के लिए दो-चार हो रहे हैं। कभी पानी आया, कभी नहीं आया। कोई सुनने वाला नहीं है। ग्राम पंचायत आहोर के अन्तर्गत वार्ड संख्या एक दो, तीन, चार में निवास करने वाले सभी लोग अनुसुचित जाति, जनजाति के मजदूर पेशा वर्ग से हैं। दलित बस्ती में पिछले लंबे समय से गंदगी की समस्या को देखते हुए गत महीनों विधायक समेत अधिकारियों ने अवलोकन किया था तथा इस समस्या के शीघ्र निराकरण का भी आश्वासन दिया

धूमधाम से मनाई गांधी जयंती

कस्बा शहर @ जागरूक जनता। नांदौती कस्बा शहर में ज्ञान भारती विद्यालय में गांधी जयंती उत्साह से मनाई। निदेशक अनिल मिश्रा ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को गांधी के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर गांधीजी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा देशवासियों को उनके द्वारा दिखाए गए सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रजापति समाज ने सौंपा ज्ञापन

केकड़ी @ जागरूक जनता। प्रजापति समाज ने उपखंड अधिकारी केकड़ी को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में बताया कि राजस्थान सरकार के एक आदेश के अंतर्गत राजस्व रिकॉर्ड में प्रजापति/प्रजापत/कुम्हार के स्थान पर जाति कुमावत दर्ज करवाने का आदेश जारी किया गया है जिसके विरोध में प्रजापति/कुम्हार के स्थान पर कुमावत नहीं करने बाबत समाज के व्यक्तियों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन सौंपने के दौरान अध्यक्ष सत्यनारायण प्रजापति, संरक्षक रामदेव प्रजापत, कोषाध्यक्ष सूरज करण प्रजापत, मूलचंद, भेरूलाल, सोजी राम, रामनिवास, रामलाल, सांवरलाल, पवन प्रजापत सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित थे।

उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

केकड़ी @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल केकड़ी ने उपखंड अधिकारी केकड़ी को शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने व दुर्घटना में मृतक के परिजनों को सहायता राशि दिलाने बाबत ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में बताया की केकड़ी नगर में यातायात की व्यवस्था पूर्ण रूप से चरमराई हुई है और केकड़ी नगर के प्रवेश के सभी रास्तों सहित प्रमुख बाजारों में सड़क पर अतिक्रमण किए जाने के कारण आमजन का आवागमन भी दुश्वार हो रखा है शहर के मुख्य मार्ग डबल पट्टी होने के बावजूद भी सड़क पर ठेले वालों सहित कई वाहन खड़े रहते हैं जिससे सड़क मार्ग छोटा नजर आता है तथा वर्तमान में अजमेर मार्ग पर डिवाइडर बनने से यह सड़क और सकरी हो गई है जिससे दुर्घटनाओं का डर बना रहता है गौरतलब है कि कल बस स्टेशन के बाहर हादसे में एक मजदूर की जान चली गई उक्त मजदूर गरीब तबके का था मजदूर के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की भी मांग रखी गई ज्ञापन देने के दौरान भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अनिल राठी, महामंत्री रामबाबू सागरिया, कमल सांखला, केकड़ी विधानसभा भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र विनायका, पूर्व चेयरमैन अनिल मित्तल, प्रधान होनहार सिंह राठौड़, पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह राठौड़, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, रोहित जांगिड़, वीरभद्र सिंह, सत्यनारायण चौधरी, महावीर साहू, अर्जुन सिंह, केदार मल तेली, मुकेश, संजय बेनीवाल, महावीर जोधा, श्रवण साहू, धनराज चौधरी, लोकेश साहू, गजेंद्र पाराशर, मिश्री लाल जाट सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

विराज फाउंडेशन का स्थापना दिवस 11 को

चौमूं @ जागरूक जनता। विराज फाउंडेशन के द्वारा जयपुर हेल्थ केयर हॉस्पिटल जयपुर रोड चोमू पर स्थापना दिवस को लेकर संरक्षक कृपा शंकर शर्मा के सानिध्य में प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई बैठक में 11 अक्टूबर को आदित्य पैराडाइज मोरीजा रोड, चोमू पर चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया जाएगा तथा पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश प्रचार प्रसार मंत्री चंद्रप्रकाश शर्मा, प्रदेश विधि सलाहकार अजय कुमार शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष शिक्षा प्रकोष्ठ हरिओम शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष शिक्षा प्रकोष्ठ भवानी शंकर शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता अनिल कुमार शर्मा आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गांधी जयंती साहित्यिक महोत्सव सम्पन्न

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में ऑनलाइन 'महात्मा गांधी जयंती साहित्यिक महोत्सव' 'महात्मा गांधी और उनकी शिक्षाएं' का आयोजन किया गया। महोत्सव में सुषमा पांडे (बोकारो, झारखंड) और सोनी कुमारी (पटना, बिहार) द्वारा प्रस्तुत की गई रचनाओं ने समूह का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। महोत्सव में सम्मिलित प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत साहित्य दीप' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करते हुए समस्त देशवासियों को उनके द्वारा दिखाए गए सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

जैन महाविद्यालय में मनाया नवरात्र महोत्सव

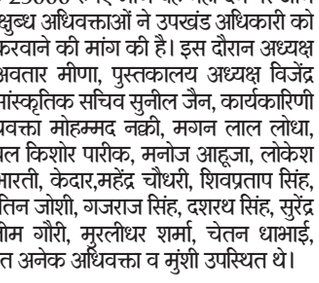

केकड़ी @ जागरूक जनता। जयपुर रोड स्थित जैन महाविद्यालय में नवरात्र महोत्सव मनाया गया। महाविद्यालय के व्याख्याता गजेंद्र पाराशर ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्र महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्राचार्य सहित समस्त व्याख्याताओं ने मां अंबे के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की उसके उपरांत छात्र छात्राओं ने मनमोहक रंग-बिरंगे गरबा ड्रेसेस में डांडिया खेला व रंगारंग प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में डांडिया क्वीन मीनू सोलंकी, डांडिया किंग चियांशी, बेस्ट डांस परफॉर्मर सुनीता माली, बेस्ट ड्रेएट डांस जोड़ी निखिल आचार्य एवं अभिषेक,बेस्ट गरबा ड्रेस हेतु कृतिका जैन को चुना गया। कार्यक्रम संचालन व्याख्याता अर्चना दाधीच ने किया। व्याखाता रामप्रसाद जाट,अनोप कंवर,दिव्या शर्मा, शीतल साहू का विशेष सहयोग रहा।

लंपी पीड़ित गौवंश के संकटमोचक बने युवा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। देश व प्रदेश में लंपि बीमारी ने मानो कहर मचा रखा है। उक्त बीमारी से आज अनेकों गोवंशों की मौत हो चुकी है। इस बीमारी से अछूता सिरोही जिला भी नहीं रहा। जिले के कई गाँवो में बीमारी के घातक परिणाम देखे गये है। इसी बीच पिण्डवाड़ा तहसील के वाटेरा गाँव के गोभक्तों ने लंपि से पीड़ित गोवंशों की बेहतरी सेवा की मिशाल कायम की है। गौसेवा कि भावना से समर्पित वाटेरा के गो भक्तों ने गाँव मे ही नही अपितु तहसील व ज़िले के कई गाँवो में जाकर लंपि बीमारी से ग्रस्त गोवंशों को दवाइयाँ, व आयुर्वेदिक औषधि, लड्डू सहित कई उपयोगी वस्तुओं को पहुंचाने का पुनीत कार्य, लम्बे समय से कर रहें हैं। उनकी सेवा भावना से आज क्षेत्र व ज़िले के अनेको गोवंशों को नया जीवन दान मिला है। निस्वार्थ सेवा भावना की जितनी तारीफ़ की जाये उतनी कम है। वाटेरा गाँव के युवाओं ने पूर्ण तन्मयता व समर्पण से सामाजिक सरोकारों के तहत उत्कृष्ट रूप में गौवंशो की सेवा करके ज़िले में एक अनोखी समाज सेवा के क्षेत्र में मिशाल कायम की है।

दिन-रात सेवा को तत्पर वाटेरा के गोभक्त

जब आप और हम रात के अंधेरे में सोते हैं, उस वक्त यह गोभक्त उन लंपि ग्रस्त गोवंशों की सेवा में दिन-रात स्वयं के खर्चो पर निजी वाहनों से दौड़ते रहते हैं। और वो हर सम्भव प्रयास भी उनके द्वारा किया जाता रहा। जिससे बीमारी से पीड़ित गोवंशों को राहत पहुंचे। सेवा कि इस अद्भुत भावना को लेकर हर कोई कायल है। साथ ही इस सराहनीय कार्य की जमकर जिले-भर में चर्चा भी है। समस्त गोभक्त अपने व्यस्तम दिन चर्या मे से समय निकाल कर गोवंशों की सेवा का शानदार कार्य कर रहें हैं। सोशल मीडिया पर या कॉल से प्राप्त सूचना पर तत्काल प्रसंज्ञान लेकर पीड़ित गोवंशों की सेवार्थ तुरंत पहुंच जाते हैं।

समाज सेवा की अद्भुत भावना

गाँव में या जिले में किसी भी तरह का कोई भी सेवा कार्य क्यों न हो..? वाटेरा के ग्रामीणों ने सदैव हर सेवा कार्य मे एकता का परिचय देते हुये पूरे लगन व मन से उस कार्य में तलीन होकर किया है। आज जब गोवंशों पर संकट का समय आया है तब भी ग्रामीण दिन-रात एकनिष्ठता से हर पीड़ित गोवंशो की सेवार्थ प्रतिबद्ध है। जो जिले के लिये एक प्रेरणादायक उदाहरण है। कहते हैं न सर्व का सहयोग ही सेवाओं को आगे बढ़ाता है। इस कथन पर खरे उतरे है ग्रामीण। बिना किसी स्वार्थ के सेवा करना ही असल समाज सेवा है। जो क़ाबिले तारीफ़ का विषय है। समाज सेवा क्या होती यह सीख कोई वाटेरा के ग्रामीणों से ले तो कोई अतिश्योक्ति नहीं। क्योंकि अन्य जगहों पर हमने देखा है अक्सर कुछ लोग महज समाज सेवा का दिखवाकर करके सोशल मीडिया पर वाहवाही लूटना चाहते हैं। जो वास्तविक रूप में समाज सेवा की श्रेणी में सम्मिलित नहीं वो कृत्य जिसमे सिर्फ दिखावा हो।

सामाजिक सरोकारों के कार्यो में इनकी रहीं अहम भागीदारी

लंपि बीमारी से पीड़ित गौवंशो की सेवा में वाटेरा के राहुल सोनी, महेश बोराणा, निखिल सिंह, कुशाल माली, कुलदीप राज पुरोहित, मफत माली, प्रवीण राजपुरोहित, राजू चौधरी, प्रमोद चौधरी, बलवंत देवासी, निर्मल राजपुरोहित, कैलाश बोराणा, मोहन घांची, संजय बोराणा, हिम्मत सुथार, निखिल भाट और वजाराम बोराणा, सहित दर्जनों ग्रामीण युवाओं की बेहतरीन सेवा रहीं हैं। जो सदैव मूक पशुओं की सेवा करने में अग्रिम पंक्ति में नजर आये।

धमकाने पर अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

केकड़ी @ जागरूक जनता। बार एसोसिएशन केकड़ी के अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता के साथ हुई गाली गलौज व अधिवक्ता को धमकाने के विरोध में उपखंड अधिकारी केकड़ी को ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह राठौड़ विगत 24 वर्षों से वकालत कर रहे हैं वह एक मुकदमे में प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता नियुक्त हैं उक्त मुकदमे में अभियुक्त के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके हैं। जिससे खफा होकर अभियुक्त ने दिनांक 28 सितंबर को अधिवक्ता के मोबाइल पर फोन किया व उनसे गाली-गलौज कर उक्त मुकदमे में पैरवी नहीं करने हेतु धमकी दी। इस पर अधिवक्ता ने पुलिस थाना केकड़ी में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट दर्ज होने के पश्चात अभियुक्त ने अधिवक्ता के मोबाइल पर जरिए टेक्स्ट मैसेज मुकदमे के 25000 रुपए मांगे वह नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना से क्षुब्ध अधिवक्ताओं ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष कार्यवाही करवाने की मांग की है। इस दौरान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष रामअवतार मीणा, पुस्तकालय अध्यक्ष विजेंद्र पाराशर, कोषाध्यक्ष कुश बागला, सांस्कृतिक सचिव सुनील जैन, कार्यकारिणी सदस्य गजेंद्र पाराशर, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद नक़ी, मगन लाल लोधा, राजेंद्र चौकड़ीवाल, हेमंत जैन, नवल किशोर पारीक, मनोज आहूजा, लोकेश शर्मा, महावीर गुर्जर, भंवर सिंह ,भारती, केदार,महेंद्र चौधरी, शिवप्रताप सिंह, निर्मल चौधरी, सांवरलाल जाट, नितिन जोशी, गजराज सिंह, दशरथ सिंह, सुरेंद्र सिंह, आशिफ हुसैन, अब्दुल सलीम गौरी, मुरलीधर शर्मा, चेतन धाभाई, सीताराम कुमावत, पवन राठी सहित अनेक अधिवक्ता व मुंशी उपस्थित थे।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

गहलोत 7-8 अक्टूबर को जयपुर में करेंगे 'इंवेस्ट राजस्थान समिट' : 1.42 लाख करोड़ के पैकेज मंजूर, 32 हजार रोजगार

प्रदेश में होगा 10 लाख करोड़ निवेश!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पॉलिटिकल क्राइसिस का दौर कुछ हल्का होते ही सीएम अशोक गहलोत राजस्थान में 7 और 8 अक्टूबर को होने जा रही 'इंवेस्ट राजस्थान समिट' की तैयारियों में जुट गए हैं। जयपुर के सीतापुरा में होने वाली इस समिट में सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपए के इन्वेस्टमेंट का टारगेट रखा है। जानकारी के मुताबिक अब तक साढ़े 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रपोजल सरकार को मिल चुके हैं। ष्टरू गहलोत ने प्रदेश में 1.42 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के इंवेस्टमेंट को प्रमोशन के लिए 32 प्रोजेक्ट्स को कस्टमाइज्ड पैकेज की मंजूरी दी है। इससे प्रदेश में 32 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार के मौके मिलेंगे।बैठक में अप्रूव्ड किए गए प्रस्तावों में प्रमुख रूप से रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में एज्योर पावर प्राइवेट लिमिटेड, रिन्यू पावर प्राइवेट लिमिटेड, प्लास्टिक एंड ग्लास मैन्युफेक्चरिंग में असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड, इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में हीरो इलेक्ट्रिक, ओकाया ईवी प्राइवेट लिमिटेड के अलावा कपड़ा, माइंस एंड मिनरल्स, फूंड एंड बेवरेजज, हॉस्पिटैलिटी, सीमेंट, ऑटो एंड ऑटो कम्पोनेंट और एग्रीकल्चर, एग्रो प्रोसेसिंग के प्रोजेक्ट्स को बोर्ड ने मंजूरी दी है।

- » अंबानी-अडानी एनर्जी में करेंगे इंवेस्टमेंट।
- » 1.42 लाख करोड़ के पैकेज मंजूर।
- » 32 हजार रोजगार के मौके मिलेंगे।
- » कुल 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश आएगा।
- » 7-8 अक्टूबर को जयपुर के JECC सीतापुरा में समिट।
- » जैसलमेर में सीमेंट इंडस्ट्री डवलपमेंट स्टडी होगी।
- » मुकेश अंबानी की रिलायंस न्यू सोलर और गौतम अडानी की अडानी ग्रीन एनर्जी करेगी एनर्जी सेक्टर में इंवेस्टमेंट।
- » मुकेश अंबानी की रिलायंस न्यू सोलर और गौतम अडानी की अडानी ग्रीन एनर्जी करेगी एनर्जी सेक्टर में इंवेस्टमेंट।

अंबानी-अडानी करेंगे बड़ा इंवेस्टमेंट

देश के प्रमुख इंडस्ट्रीयलिस्ट अंबानी और अडानी ग्रुप भी राजस्थान में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बड़ा इंवेस्टमेंट करेंगे। प्रदेश में करीब 1 लाख करोड़ रुपए के इंवेस्टमेंट के लिए मुकेश अंबानी की फर्म रिलायंस न्यू सोलर ने राजस्थान सरकार से करार किया है। अडानी ग्रीन एनर्जी ने 60 हजार करोड़ रुपए के एनर्जी प्रोजेक्ट्स लगाने की इच्छा जताई है। एनर्जी सेक्टर में करीब 50 MOU-LOI हुए हैं।

प्रदेशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विजयादशमी के अवसर पर देश और प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामना दी है। मिश्र और गहलोत ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि विजयादशमी का त्यौहार मनुष्य को अपने अंदर की बुराइयों को त्याग कर अच्छाइयों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

शोर मचाने के बाद दबे पाँव विदा हुआ मानसून

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान से मानसून अलविदा हो गया। मौसम केंद्र नई दिल्ली ने बीते दिनों राजस्थान समेत सम्पूर्ण राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात के आंशिक हिस्सों से मानसून की विदाई की घोषणा की। हालांकि बंगला की खाड़ी में बने सिस्टम से राज्य के 7 जिलों में कल से बारिश का दौर शुरू होना है। जिसे पोस्ट मानसून रेनफॉल कहा जाएगा। 96 दिन एक्टिव रहने के दौरान इस बार मानसून ने 11 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है।

मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक भले ही मानसून की विदाई राजस्थान से हो गई हो, लेकिन बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर आज देर शाम से राजस्थान में देखने को मिल सकता है। भरतपुर संभाग के जिलों धौलपुर, करौली, भरतपुर में आज देर शाम मौसम में बदलाव हो सकता है। आसमान में बादल छाने के साथ हवाएं चल सकती है। मौसम केन्द्र जयपुर ने कल भरतपुर, अलवर, बारां, दौसा, धौलपुर, करौली और सवाई माधोपुर जिलों में आसमान में बादल छाने, बिजली चमकने और कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना जताई है।

30 जून को हुई थी एंट्री

राजस्थान में इस बार मानसून 30 जून को (सामान्य से 8 दिन की देरी से) प्रवेश किया था। तब से राजस्थान में रूक-रूक कर लगातार बारिश का दौर चला। सबसे ज्यादा बरसात जुलाई महीने में हुई। इस महीने 270MM औसत बरसात हुई, जो 66 साल में जुलाई के महीने में सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड बना था।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

■ सात विस सीटों के उपचुनाव नवंबर में

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। चुनाव आयोग ने सोमवार को छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा की। सभी सीटों पर तीन नवंबर को मतदान होगा। इनमें बिहार की 2 और यूपी, महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, ओडिशा की एक-एक सीट शामिल है। नतीजे 6 नवंबर को आएंगे।

■ चैनलों पर न दिखाएं सट्टेबाजी के विज्ञापन

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार ने डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म व टीवी चैनलों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के विज्ञापन दिखाने पर नाराजगी जाहिर की है। सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने इस संबंध में एडवाइजारी जारी की है। उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। वेबसाइट्स व टीवी चैनलों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के विज्ञापन से गलत प्रभाव पड़ता है।

नगार परिषद आयुक्त साधे बेठे हैं चुप्पी : जागरूक जनता ने किया था उजागर

कुत्तों की नसबंदी पर 30 लाख रुपए के भुगतान को तैयार नगर परिषद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। नगर परिषद क्षेत्र में कथित रूप से 3000 कुत्तों की नसबंदी के होने जा रहे लगभग 30 लाख रुपए के भुगतान को पत्रकारों द्वारा सार्वजनिक करने के बाद सभापति संदीप शर्मा ने उनकी जानकारी में आने के बाद रोकना बताया है। इस बाबत आयुक्त नगर परिषद चित्तौड़गढ़ रविंद्र सिंह यादव से जानकारी प्राप्त करने के लिए लगातार संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। शुक्रवार को व्हाट्सएप मैसेज पर जानकारी मांगने पर आयुक्त यादव का कहना है कि जांच जारी है, भुगतान रोक दिया गया है, लेकिन जांच किसके विरुद्ध हो रही है, कब तक होगी, कौन कर रहा है, कब तक पूरी होगी, इन बिंदुओं पर आयुक्त नगर परिषद चित्तौड़गढ़ रविंद्र सिंह यादव कोई जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

जागरूक जनता ने किया था उजागर

कागजों में एक हजारों कुत्तों की नसबंदी का भुगताने उठाने को तैयार ठेकेदार

नगर परिषद चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में आवारा कुत्तों की नसबंदी का मामला जागरूक जनता से प्रमुखता से प्रकाशित किया था। यहां परिषद क्षेत्र में करीब 2000 कुत्तों के बजाय 3000 कुत्तों की जयपुर की किसी फर्म से नसबंदी करवाना बताया गया और उसका भुगतान 30 लाख रुपए करने की बात जागरूक जनता टीम को लगी तो सबसे पहले जागरूक जनता ने इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया। इस पर नगर परिषद आयुक्त ने भुगतान फिलहाल रोकने की बात कही है।

उल्लेखनीय है कि पशुपालन विभाग चित्तौड़गढ़ द्वारा पशुपालन महकमा अजमेर से नगर परिषद् क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में कराई गई कुत्तों की गणना के बारे में सहायक निदेशक पशुपालन चित्तौड़गढ़ मूंदड़ा के अनुसार गली मोहल्ले के 2000 कुत्ते नगर परिषद क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में है, जबकि जानकारी के अनुसार जयपुर की किसी फर्म को 3000 कुत्तों की नसबंदी का भुगतान किया जा रहा था, जिसे नगर परिषद के कुछ कार्मिक एवं अधिकारियों ने प्रमाणित भी कर दिया था और संभावित भुगतान की खबर सार्वजनिक हो जाने से चेक स्टेज पर जाते-जाते रुक गया, लेकिन फिर भी पत्रकारों के ध्यान में आने के बाद यह मुद्दा सार्वजनिक हो चला।

दशहरा : कहीं रावण की पूजा तो कहीं होता है पथराव

...नाभि पर होगा घी का लेप

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

विदिशा। विजयादशमी पर देशभर में अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक के रूप में रावण के पुतलों का दहन किया जाता है। लेकिन, मध्यप्रदेश के विदिशा में तीन तरह की मान्यताओं के अनुरूप दशहरा मनाया जाता है। विदिशा के रावन गांव में रावण की पूजा इष्टदेव के रूप में होती है। वहीं लटेरी के कालादेव में राम की सेना पर रावण की सेना द्वारा पथराव किया जाता है। जिले के बाकी क्षेत्र में अधर्म के प्रतीक के रूप में रावण के पुतलों का दहन किया जाता है।

विदिशा के रावन गांव में रावण के दरबार में पहुंचकर सैकड़ों लोग उनकी पूजा करेंगे। रावण की लेटी हुई प्रतिमा की नाभि पर घी का लेप किया जाएगा, ताकि भगवान राम द्वारा रावण की नाभि में मारे गए अग्निबाण की पीड़ा से उनको राहत मिले। इसके साथ ही यहां दिनभर पूजा-अनुष्ठान होंगे। रावण के मंदिर में करीब 10 फीट लंबी और 3 फीट चौड़ी लेटी हुई प्रतिमा है। लोग इन्हें रावण बाबा के नाम से जानते हैं।

रावण के पुतले का दहन

विदिशा के जैन कॉलेज परिसर में रामलीला मेला समिति के तत्वावधान में आयोजित दशहरा कार्यक्रम में रावण के 35 फीट ऊंचे पुतले का दहन किया जाएगा। यहां आतिशबाजी के साथ भगवान की पूजा भी होगी। राम और रावण की सेना के बीच सांकेतिक युद्ध होगा।

राम की सेना पर बरसाएंगे पत्थर

लटेरी के आनंदपुर में कालादेव का दशहरा प्रसिद्ध है। यहां राम-रावण की सेनाओं के बीच पत्थर चलते हैं। बीच मैदान में रावण की प्रतीक प्रतिमा है। विजय का ध्वज लगाया जाता है। इसे हासिल करने कालादेव गांव के लोग राम के जयकारे लगाते हुए दौड़ते हैं। वे ध्वज की परिक्र मा करते हैं। लेकिन, इस बीच रावण की सेना माने जाने वाले भील उन पर गोफन से पत्थर बरसाते हैं। सैकड़ों पत्थरों में से भी कोई पत्थर राम सेना के लोगों को नहीं लगता। इसके बाद भगवान राम का राजतिलक किया जाता है।

नारायण सेवा संस्थान में 501 दिव्यांग कन्याओं का महापूजन

नवरात्र आत्मचिंतन और प्रकृति से एकाकार का पर्व-जाट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नवरात्र आत्म चिंतन और प्रकृति से एकाकार होने का पर्व है। इस पर्व के साथ हमारी सनातन परम्परा, सजगता और ऋतु जनित बीमारियों से लड़ने की तैयारी भी है। यह बात सोमवार को राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने नारायण सेवा संस्थान के बड़ी परिसर में 501 दिव्यांग कन्याओं के पूजन पर मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज को स्वस्थ्य रहने के लिए शारीरिक अनुशासन का भी संदेश देता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आम आदमी के स्वास्थ्य की चिंता को लेकर ही चिरंजीवी योजना की शुरूआत की। उन्होंने दिव्यांगजन के शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा और पुनर्वास के क्षेत्र में नारायण सेवा संस्थान को प्रेरक संस्था बताते हुए सरकार के स्तर हर सम्भव सहायता के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि पैसा तो बहुतों के पास होता है लेकिन दीन-दुखियों की सेवा में जो पैसा लगे वही सार्थक हैं। उन्होंने संस्थान में ऑपेशन के लिए आए दिव्यांगजन से भेंट कर उन्हें फल बांटे व संस्थान के प्रकल्पों का अवलोकन किया। आरम्भ में संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव ने उनका व अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने राजस्व मंत्री को अभिनन्दन पत्र भेंट करते हुए संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। कन्या पूजन में शामिल विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा, राज्य श्रम सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली, जिला परिवहन अधिकारी कल्पना शर्मा, गिर्वा प्रधान सज्जन कटारा, उप महापौर पारस सिंघवी ने भी आयोजन को सम्बोधित किया। सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी, पुलिस उपअधीक्षक तपेन्द्र कुमार, कांग्रेस नेता गोपाल कृष्ण शर्मा, पार्षद देवेन्द्र साहू, सरपंच मदन पण्डित, कमल पाहुजा, मनोज बिसारथी भी उपस्थित थे। निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि सभी 501 कन्याओं के दिव्यांगता सुधार के निःशुल्क ऑपरेशन इन नौ दिनों में संस्थान में ही सम्पन्न हुए। ये कन्याएं अब सकलांग होकर सुगम जीवन जीयेंगी।

श्रीमदभागवत कथा का आयोजन 7 से 13 अक्टूबर

उदयपुर @ जागरूक जनता। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगों एवं उनके परिजनों को अध्यात्म से जोड़ने के लिए 7 से 13 अक्टूम्बर तक सेवामहातीर्थ बड़ी लोयरा में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि कथाव्यास कृष्णानुरागी शिवम् विष्णु पाठक के सानिध्य में कथा होगी। जिसका समय सांय 4 से 7 बजे तक रहेगा। इसका सीधा प्रसारण आस्था चैनल पर किया जाएगा।

ब्रेस्ट कैंसर की जल्द पहचान तो पूरा इलाज संभव

निम्स यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय स्तन कैंसर जागरूकता अभियान शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्तन कैंसर पर जीत संभव है, इससे घबराना नहीं है। यदि जल्दी पता लगा लिया जाए तो स्तन कैंसर का पूरा इलाज हो सकता है। जयपुर-दिल्ली हाइवे स्थित निम्स यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी इन्हीं संदेशों के साथ रविवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 'पिंक रन' में दौड़ते नजर आए। मौका था निम्स यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय स्तन कैंसर जागरूकता अभियान की शुरुआत का। इस मौके पर आयोजित योग कार्यक्रम में जहां योगासनों के माध्यम से स्टूडेंट्स को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया गया वहीं, राजेश्वरी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा स्तन कैंसर रोग के संभावित कारण, उपचार आदि से जुड़ी जानकारी साझा की गई। यूनिवर्सिटी के चेयरमैन एवं चासंलर प्रो. (डॉ.) बलवीर सिंह तोमर की पहल पर विवि द्वारा राष्ट्रीय स्तन कैंसर जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है, जिसके तहत विवि में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत निम्स ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन सेंटर की ओर से आगामी 16 अक्टूबर को जयपुर में पिंक पॉवर रन का भी आयोजन किया जाएगा।

तंबाकू और खराब जीवनशैली से बचें

इस मौके पर निम्स यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन्स के डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि स्तन कैंसर पहले अमेरिका और यूरोप महाद्वीप में रहने वाली महिलाओं को अधिक होता था, लेकिन अब इसके मामले भारत सहित एशिया में तेजी से बढ़ रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार विश्व में स्तन कैंसर के प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख नए मामले देखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर के सटीक कारणों का पता अभी तक नहीं लगाया जा सका है, लेकिन खराब जीवन शैली, मोटापा, असंतुलित आहार, तंबाकू और शराब का सेवन, देरी से गर्भधारण, रेडिएशन आदि ब्रेस्ट कैंसर को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं महिला द्वारा या किसी विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा नियमित अंतराल में स्तनों की जांच करानी चाहिए। ताकि समय रहने लक्षण पहचाने जा सकें और उपचार किया जा सके। यदि स्तन कैंसर का पता शुरुआती चरण में ही लगा लिया जाता है तो इसका पूरा उपचार किया जा सकता है और महिला स्वस्थ जीवन जी सकती है। इस मौके पर निम्स वाइस चेयरपर्सन, कुलपति सहित विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

योग के लिए जुटे 500 से अधिक विद्यार्थी

शेखर योगपीठ के योगाचार्य चंद्रशेखर सिंह ने निम्स विवि के नर्सिंग ग्राउंड में आयोजित योग कार्यक्र म का संचालन किया। कार्यक्र म में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, त्रिकोणासन सहित विभिन्न योगासनों को करने का तरीका सीखा और स्वस्थ रहने का प्रण लिया। श्री सिंह ने कहा कि योग के माध्यम से स्वस्थ तन-मन के साथ-साथ आनंद और स्फूर्ति भी प्राप्त होती है। योग के माध्यम से स्तन कैंसर सहित विभिन्न गंभीर बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है। स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विवि परिसर में 1.5 किलोमीटर लंबी पिंक रन का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया।

सौर उर्जा पम्प संयत्र स्थापना के लिए आवेदन 19 तक

टोंक @ जागरूक जनता। पी.एम. कुसुम कम्पोनेन्ट बी के तहत सौर उर्जा पम्प संयत्र स्थापना हेतु ई-मित्र पर पूर्व में आवेदित कृषक जिनके द्वारा राज किसान साथी पोर्टल पर आवेदन नहीं किया जा सका, वे कृषक 19 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। उद्यान आयुक्तालय के आदेशानुसार पी.एम. कुसुम कम्पोनेन्ट "बी" के तहत सौर उर्जा पम्प संयत्र स्थापित कराने हेतु ऐसे कृषक जिनके द्वारा ई-मित्र पोर्टल पर आवेदन किया हुआ था। लेकिन निर्धारित अवधि तक राज किसान साथी पोर्टल पर पुनः अब तक आवेदन नहीं कर सके, ऐसे कृषको को 05 अक्टूबर से आगामी 15 दिवस तक राज किसान साथी पोर्टल पर पुराने आवेदन के टोकन नम्बर अंकित करते हुऐ आवेदन करने का अंतिम अवसर दिया जा रहा है ताकि उनकी वरीयता सुरक्षित रह सके।

15 साइकिल सवार : 2000 किमी का सफर करेंगे...

7 राज्यों से गुजरेगी 'प्रगति से प्रकृति पथ यात्रा'

मुंबई @ जागरूक जनता। जलवायु संकट से दुनिया को बचाने के लिए आर्थिक विकास व प्रकृति के बीच संतुलन की जरूरत है। जीडीपी के साथ पारिस्थितिकी संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। अभी नहीं चेते तो आने वाला वक्त आफतों से भरा होगा। तूफान, अतिवृष्टि-बाढ़, महामारी जैसी आपदाओं से हमें कोई नहीं बचा सकता। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 'प्रगति से प्रकृति पथ यात्रा' पर निकले पर्यावरणविद डॉ. अनिल पी जोशी ने यह बात कही। पद्मभूषण डॉ. जोशी के नेतृत्व में 15 साइकिल सवारों को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने रविवार को हरी झंडी दिखाई थी। मुंबई से चला उनका कारवां सोमवार को ठाणे के आटगांव पहुंचा, आगे का सफर जारी है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित 7 राज्यों से गुजरने वाली यह यात्रा 9 नवंबर को देहरादून में समाप्त होगी। 2000 किमी लंबा यह सफर 39 दिन में पूरा होगा। इस दौरान डॉ. जोशी 60 छोटे-बड़े शहरों में 50 हजार से ज्यादा लोगों को प्रकृति संरक्षण का संदेश देंगे। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए यात्रा को समर्थन देने और प्रकृति के लिए एकजुट होने की बात कही।

जागरूक खबरें

■ नवरात्रि पर माता को ओढाई लाल ओढनी

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री जगदम्बा मातेश्वरी मंदिर समिति नया खेड़ा स्थित माता रानी को हाइलाइट ब्यूटी सलून नया खेडा की तरफ से अष्टमी पर लाल ओढ़नी ओढाई गई। डॉयरेक्टर प्रतिभा कंवर ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी माता रानी को नवरात्र में चुनरी ओढ़ाई गई।इस बार माता रानी से प्रार्थना है कि गौ माता पर आई इस लम्पि बीमारी की आपदा को जल्दी से जल्दी ठीक करे। काफी संख्या में गौमाता मर रही है। इस बीमारी के जल्द से जल्द अंत हो और प्रदेश में खुशहाली आये। समिति के अध्यक्ष भवर सिंह ने मातारानी की आरती की। समिति उपाध्यक्ष मुकुल सिंह साँचोरा समिति सचिव नवरतन सिंह सयुक्त सचिव हेमन्त सिंह मातृशक्ति नीरज कवर कनिका कवर आदि ने मातारानी का आशीर्वाद लिया।

नवनियुक्त थानाधिकारी ने किए सूफी संत दीवाना शाह बाबा के दर्शन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कपासन। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के दरगाह शरीफ स्थित मुख्य मज़ार पर नव पद स्थापित सी.आई. गजेन्द्र सिंह ने गुलाब के फूल पेश कर मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी के अनुसार सी.आई. गजेन्द्र सिंह का रविवार सांयकाल बुलन्द दरवाजे पर दरगाह वक्फ कमेटी के सदस्य हाजी शरीफ खाँ मेवाती एवं असलम शैख के साथ नगर के गणमान्य लोगो ने स्वागत किया। आस्ताना ए आलिया मे सैयद अख्तर अली बुखारी, अशफाक तुर्किया ने दस्तार बंदी कर श्रीफल भेंट किया। औलिया मस्जिद, आयशा मस्जिद, होजे उल्फत, अहाता ए नूर, शाही महफिल खाना का अवलोकन करने के बाद दरगाह ऑफिस मे सी.आई. ने बाबा हुजूर की जानकारी प्राप्त कर कमेटी सदस्यो से विस्तृत चर्चा की।

अमित चेचानी व साथी कलाकारों के सुरीले गीतों ने बांधा समां

है नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। महा अष्टमी के उपलक्ष में बंगाली समिति चित्तौड़गढ़ के द्वारा दुर्गोत्सव 2022 कार्यक्रम के अंतर्गत पारंपरिक एवं प्राचीन संधी पूजा और धुनुची नाच के साथ साथ शंख बजाने का कंपीटिशन भी आयोजित किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत प्रातः मां अष्टमी की पुष्पांजलि के साथ हुई पूरे दिन पूजा पंडाल भक्तिमय रहा। जैसे ही गोपाल, श्यामल दास, शुभेंदु भट्टाचार्य गोराई आदि ने पारंपरिक धुनुची नाच आरंभ किया सभी भक्तों अपने आप को मां दुर्गा के जयकारों से नहीं रोक सके चारों ओर बस एक ही नारा बोलो दुर्गा माई की जय सभी बंगाली एवं अन्य समाज के लोग पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ सम्मिलित हुए।

जहां एक और प्रातः काल से ही सभी लोग भक्ति में डूबे थे वहीं संध्याकाल में स्वीट वॉइस इवेंट मैनेजमेंट ने अपनी प्रस्तुतियां देकर पूरा समा बांध दिया चित्तौड़गढ़ के जाने-माने हरफनमौला आकाशवाणी कलाकार अमित कुमार चेचानी, डॉ संजय गिल, सुरीली आवाज की मल्लिका मिस रेशम भोजवानी व कृष्णा वैष्णव ने माता रानी के गीतों से शुरुआत करके तूने मुझे बुलाया शेरावालिए, है नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम, चलो बुलावा आया है जिसे भक्ति गीतों को गाकर माहौल भक्तिमय बना दिया। अंत में फिल्मी गीत गाकर दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम के बीच में मिस बर्मन ने फिल्मी गाना प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में दुर्गोत्सव 2022 के अध्यक्ष आशीष मुखर्जी ने सभी आए हुए कलाकारों एवं दर्शकों एवं समस्त पर आयोजकों को धन्यवाद दिया और नवमी की शाम को अवॉर्ड सेरिमनी के लिए आमंत्रित किया। जिसमें विशेष अतिथि डॉक्टर जी एस जैन एवं मुक्ता आर्ट्स मुंबई के क्लस्टर हेड मनीष एवं साहा होंगे।

खनिज में 31% निवेशक, सर्वाधिक 57% निवेश ऊर्जा में...

सीएम बोले- समिट से पहले 40% निवेश को स्वीकृति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में निवेश लाने के लिए जयपुर के जेईसीसी में 7 व 8 अक्टूबर को बहुप्रतीक्षित 'इन्वेस्ट राजस्थान समिट' का आयोजन होगा। इससे पहले सोमवार को सीएम अशोक गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर समिट पर खुलकर बात की। उन्होंने पिछले निवेश सम्मेलनों पर कहा कि कई बार इस तरह के सम्मेलन मजाक बन जाते हैं। समिट पूरी होने के बावजूद एमओयू होते रहते हैं और उनकी गिनती होती रहती है।

सीएम ने कहा- अन्य राज्यों में होने वाले इन्वेस्टमेंट समिट में होने वाले एमओयू में से केवल 20 से 25% निवेश ही सफलता पूर्वक हो पाते हैं, जबकि यहां होने वाले समिट से पहले हम 40% निवेश को स्वीकृति के स्तर तक ले जा चुके हैं। कई ने काम शुरू कर दिया। कई प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन होने जा रहे हैं। कुल 4192

एमओयू में से 520 क्रियान्वित हो चुके हैं और 1160 क्रियान्वयन के चरणों में हैं। गहलोत बोले- राजस्थान पहला राज्य था, जिसने एमएसएमई अधिनियम 2019 लागू किया। अब एमएसएमई पॉलिसी भी लाए। प्रदेश में लगने वाली एमएसएमई इकाइयों को यूनिट लगाने के 3 साल तक न स्वीकृति की जरूरत है न निरीक्षण की। उद्देश्य जीडीपी में एमएसएमई के योगदान को बढ़ाना है।

निवेशक आए

खान-खनिज 31%
केमिकल्स एवं पेट्रो केमिकल्स 5.5%
टैक्सटाइल्स 9.5%
पर्यटन 9.3%
कृषि व प्रसंस्करण 17%

निवेश आएगा

ऊर्जा 57%
कैमिकल्स एवं पेट्रो कैमिकल्स 18.2%
टैक्सटाइल्स 9.5%
पेट्रोलियम व गैस 5.9%
सीमेंट 4.6%

प्रदेश में निवेश का स्वागत है, अडानी ही क्या, कोई भी निवेश कर सकता है-सीएम

गहलोत ने समिट में आने वाले बड़े निवेशकों व स्पीकर्स की जानकारी दी। अडानी समूह के गौतम अडानी भी इसमें आने वाले हैं। सवाल पूछा गया कि राहुल गांधी अडानी का विरोध करते रहे हैं और सबसे बड़ा निवेश अडानी समूह से ही कराया है। इस पर गहलोत बोले- प्रदेश में जो भी निवेश आएगा, उसका स्वागत है। यदि कानून और नियमों की पालना करता है, रोजगार देता है तो सबका स्वागत है। हर कोई निवेश कर सकता है। पिछले दिनों राज्य की पहली हैंडीक्राफ्ट नीति जारी की गई। लक्ष्य प्रदेश में आने वाले 5 वर्ष में 50 हजार नए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

सीएम गहलोत ने परिवार के साथ किया हवन

हमारी वेलफेयर स्कीम्स के केंद्र में महिलाएं-गहलोत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास मे स्थित श्री राज राजेश्वरी दुर्गा मंदिर में हवन किया और परिवार के साथ पूजा-अर्चना की। कांग्रेस पार्टी में गुटबाजी और पॉलिटिकल क्राइसिस के हालात के बीच धार्मिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में गहलोत की भागीदारी बढ़ी है। दुर्गा अष्टमी के मौके पर गहलोत ने विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ हवन में आहूतियां दीं और आरती की। ष्ट्रू गहलोत की धर्मपत्नी सुनीता गहलोत, बेटे RCA अध्यक्ष वैभव गहलोत, पुत्रवधू हिमांशी गहलोत सहित परिवार जनों ने मातृ शक्ति की आराधना की। गहलोत ने प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली और शांति की कामना की। गहलोत हर साल नवरात्र में सीएम निवास पर मंदिर में देवी की विशेष आराधना और पूजा करते हैं।

दुर्गाष्टमी मातृशक्ति की आराधना की प्रेरणा देती है

मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रदेशवासियों को दुर्गाष्टमी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा - देवी उपासना का यह पर्व अपने आप में महत्वपूर्ण है। दुर्गाष्टमी मातृशक्ति की आराधना की प्रेरणा देती है। हमारी संस्कृति में हमेशा ही मातृशक्ति का आदर करने की गौरवशाली परम्परा रही है। उन्होंने प्रदेश के लोगों से महिला सशक्तिकरण और गर्ल्स एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए हर संभव कोशिश करने की अपील की है। साथ ही भ्रूण हत्या जैसी कुरीति को समाज से नष्ट करने और महिलाओं की सुरक्षा और उनका सम्मान करने का संकल्प लेने को कहा है। गहलोत ने कहा कोई भी देश महिलाओं की भागीदारी के बिना प्रोग्रेस नहीं कर सकता है। राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर डेडीकेट है। वेलफेयर स्कीम्स के केंद्र में महिलाओं को रखा गया है। सरकार ने उड़ान स्कीम व महिला निधि जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की हैं।

दुर्गाष्टमी की पूजा के दौरान ये लोग रहे मौजूद

दुर्गाष्टमी की पूजा के अवसर पर राजस्थान पशुधन बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्र सोलंकी, जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस (आरयूएचएस) के कुलपति डॉ सुधीर भण्डारी, सीएम निवास के अधिकारी-कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहे।

राजस्थान में कोयला खत्म

दीपावली में 1.5 करोड़ परिवारों पर अंधेरे का खतरा

बिजली बनाने वाली 11 यूनिट्स बंद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दीपावली से पहले राजस्थान में बिजली संकट गहराने लगा है। लगातार कटौती और बिजली बनाने वाली यूनिट्स के बंद होने से इसकी आशंका अधिक हो गई है। एक्सपर्ट के अनुसार कोयले की किल्लत इस पूरे संकट की जड़ में है। विभागीय अधिकारियों को इस परेशानी के लिए जिम्मेदारी माना जा रहा है। क्योंकि उनकी लापरवाही के चलते राजस्थान में अब केवल चार दिन का कोयला बचा है।

इस कारण राजस्थान के चार बिजली घरों की 11 यूनिट्स बंद हो चुकी हैं। इनमें सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट की 4, कोटा थर्मल पावर प्लांट की 3, राजवेस्ट की 2, छबड़ा थर्मल पावर प्लांट की 1 और रामगढ़ की 1 यूनिट शामिल है। इनसे पैदा होने वाली 2400 मेगावाट कैपिसिटी बिजली का प्रोडक्शन रुक गया है। राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड की असेसमेंट रिपोर्ट में साल 2022-23 में प्रदेश में बिजली की पीक आवर्स में डिमांड 17757 मेगावाट तक पहुंचने और उपलब्ध कैपेसिटी 12847 रहने का अनुमान है।

इस आधार पर 4910 मेगावाट बिजली की कमी पड़ेगी। माना जा रहा है कि इस त्योहारी सीजन में डिमांड 17700 मेगावाट तक पहुंच सकती है। कोयला सप्लाई और बिजली प्रोडक्शन के हालात नहीं सुधरे, तो प्रदेश के लोगों को बड़े पावर कट का सामना करना पड़ सकता है। RVUNL अफसरों की घोर लापरवाही के कारण राजस्थान को आज बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है।

रोजाना 4-4 घंटे बिजली कटौती

दीपावली मेंटेनेंस के नाम पर रोजाना 4-4 घंटे की कटौती 2 से 4 ब्लॉक में प्रदेश में की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि मेंटेनेंस से ज्यादा कटौती का कारण बिजली की कमी का होना है। मेंटेनेंस का बहाना बनाकर पिछले 17-18 दिनों से रोजाना ही पावर कट किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 25 फीडर्स को रोस्टर के आधार पर चलाकर लोड शेडिंग कर बिजली कटौती की जा रही है। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में ही नहीं शहरी इलाकों में भी लगातार पावर कट का सामना त्योहारी सीजन में बिजली उपभोक्ताओं को करना पड़ रहा है।

गुजरात के वडोदरा में भीषण सड़क हादसा, 10 लोगों की मौत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वड़ोदरा। यहां एक भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा आज वडोदरा में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर दरजीपुरा वायुसेना परिसर के पास हुआ है। जानकारी के अनुसार सूरत से अहमदाबाद जा रहे एक ट्रेलर के चालक ने कार चालक को बचाने के प्रयास में स्टीयरिंग से नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद ट्रेलर ने गलत साइड से आ रही 14 यात्रियों से भरी छकड़ो रिक्शा को टक्कर मारते हुए वायु सेना परिसर की दीवार तोड़कर अंदर घुस गया। इस हादसे में रिक्शा पर बैठे 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि ट्रेलर को काटकर शवों को बाहर निकाला है। हादसे के कारण काफी देर तक हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। दुर्गा पूजा के दिन हुए इस भीषण हादसे से नवरात्रि की खुशियां मातम में बदल गई।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just
Rs.35,000/- + GST

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations
At One Click

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

ANCHOR बयान

रावण का पुतला दहन रोकने के लिए सरकार लाए अध्यादेश-शंकराचार्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मथुरा। जगदुरु शंकराचार्य अधोक्षजानन्द देव तीर्थ ने दशहरा पर रावण का पुतला दहन करने की परंपरा को बन्द करने की सरकार से मांग की है। उनकी दलील है कि इससे न सिर्फ प्रदूषण होता है बल्कि भारत की सनातन संस्कृति में किसी व्यक्ति का एक ही बार अंतिम संस्कार करने की परंपरा का भी अपमान है।

शंकराचार्य की ओर से यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रावण का पुतला दहन रोकने के लिए अध्यादेश जारी करना चाहिये। जिसे बाद में संसद से पारित कराके कानूनी जामा पहनाकर लागू किया जा सकता है। उनकी दलील है कि बार बार रावण का पुतला दहन करना विद्वता का अपमान है। उन्होंने बयान में कहा कि रावण ब्राह्मण था और न केवल बलवान था बल्कि वेदों का ज्ञाता भी था। उसकी विद्वता के कारण ही रामेश्वरम में समुद्र पर सेतु बनाने के लिए श्रीराम ने उससे पूजन कराया था। राम रावण युद्ध में उसकी मृत्यु के बाद श्रीराम ने लक्ष्मण को उसके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए भेजा था तथा विभीषण की उपस्थिति में उसका अंतिम संस्कार किया गया था। शंकराचार्य ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति में किसी व्यक्ति का अंतिम संस्कार केवल एक बार किया जाता है। रावण का त्रेता युग में ही कर दिया गया था। अब हर साल उसका पुतला दहन करना न सिर्फ सनातन संस्कृति के प्रतिकूल है बल्कि ब्राह्मणों का भी अपमान है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य की कृति ऐसी है, जिसमें देवत्व भी है और असुरत्व भी है। वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता मनुष्य को अपने अन्दर मौजूद असुरत्व का दहन करने की है। आज के समाज के विघटन का भी मूल कारण मनुष्य द्वारा असुरत्व को महत्व देना है। इसी असुरत्व के कारण रूस और यूक्रेन का युद्ध रूकने का नाम नहीं ले रहा है।

उनका कहना है कि रामलीला के आयोजकों को दशहरा पर अपने भीतर का असुरत्व समाप्त करने का संकल्प दिलाना चाहिये। मानव की आसुरी प्रवृति जब हट जाएगी और दैवी प्रवृत्ति उसका स्थान ले लेगी तो यह धरती स्वर्ग बन जाएगी तथा सारे झगड़े समाप्त हो जाएंगे और सर्वे भवन्तु सुखिनः कथन चरितार्थ होने लगेगा। शंकराचार्य ने कहा कि रावण के पुतले का दहन कर अनजाने में ही नई पीढ़ी को कुसंस्कार परोसा जा रहा है और एक विद्वान का अपमान करने की शिक्षा दी जा रही है। पुतला दहन से पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। सरकार जिस प्रकार स्वच्छ पर्यावरण के लिए वाहनो में स्वच्छ ईंधन का प्रयोग करने या पराली जलाने से रोकने के लिए कानून का सहारा लेती है, उसी प्रकार पुतला दहन को रोकने के लिए भी समाजसेवियों के साथ ही सरकार को भी पहल

जागरूक खबरें

■ कब्रिस्तान कमेटी ने किया अंजुमन सदर का इस्तकबाल

निंबाहेड़ा @ जागरूक जनता। नवगठित नौजवान कब्रिस्तान कमेटी की ओर से मंगलवार को अंजुमन इस्लाम कमेटी के सदर जनाब शोएब खान लाला का स्वागत अभिनंदन किया गया ।अंजुमन कमेटी द्वारा समाज हित एवम समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे उत्कृष्ठ कार्यों के मद्देनजर नौजवान कब्रिस्तान कमेटी के सोहेल कुरैशी ,आदिल हुसैन,शोयब खान,जावेद मुल्तानी, आरिफ मुल्तानी,समीर खान, सैयद अदनान,शाहिद हुसैन ने अंजुमन दफ्तर पर सदर शोएब लाला का गुलपोशी और दस्तारबंदी कर स्वागत इस्तकबाल किया। इस मौके पर नायब सदर हाजी ख्वाजा हुसैन,मोहम्मद अतीक खान, अंजुमन कमेटी के प्रवक्ता खुर्शीद ऐजाजी, मोईन खान आदि मौजूद रहे।

■ ओबीसी आरक्षण में खामियां, अपनी सरकार के खिलाफ उतरे MLA

जयपुर @ जागरूक जनता। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और बायतू से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने हाल ही राजधानी जयपुर में अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ ओबीसी आरक्षण को लेकर धरना दिया। वहीं, सरकार ने ओबीसी आरक्षण में 2018 में जारी हुए एक नोटिफिकेशन के चलते हुई गड़बड़ी को दूर करने के लिये प्रशासनिक आदेश जारी कर दिया है। लेकिन चौधरी अब भी लंबी लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अभी केवल प्रशासनिक आदेश जारी हुआ है, नियम नहीं बने हैं। नियम बनने पर विभिन्न भर्तियों मे 2018 से लेकर अब तक हुए पदों के नुकसान का आंकलन करके उन पर भी भर्ती करवाई जाएगी।

■ गरबा आयोजन पर घाटाराणी मित्र मंडल का सम्मान

उदयपुर @ जागरूक जनता। शहर के उत्तरी सुंदरवास क्षेत्र में शिव चौक में नवरात्रि के अंतिम दिन डांडिया रास का आयोजन परवान पर रहा। कार्यक्रम में 101 दीपों से क्षेत्रवासियों ने माता की भव्य महाआरती करके माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्र म में बतौर अतिथि नगर निगम के उपसभापति पारस सिंघवी, क्षेत्रीय पार्षद मनोहर चौधरी, पार्षद करणमल जारोली मौजूद रहे। डांडिया के दौरान फेंसी ड्रेस, श्रेष्ठ गरबा रास करने वाले बच्चे और युवक-युवतियों को पुरस्कार प्रदान किया गया। गरबे का व्यवस्थित और सफल संचालन करने पर घाटाराणी मित्र मंडल का सम्मान भी किया गया।

■ अल्पसंख्यकों के विकासके दावे खोखले- सादिक

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास के लिए दावे जयपुर में ही हवा-हवाई साबित होते नजर आ रहे हैं। सोमवार को खान ने बयान जारी कर कहा कि राज्य सरकार की अल्पसंख्यकों को शिक्षा-रोजगार के लिए ऋण मुहैया करवाने की योजना हो या अल्पसंख्यक आवासीय बालक छात्रावास बनवाने की, दोनों ही योजनाएं खोखली साबित हो रही हैं।

ओछड़ी टोल नाका पर रोजाना परिवहन निरीक्षक करते अवैध वसूली

परिवहन विभाग की चौथ वसूली पर भड़के विधायक आक्या

सड़क पर ट्रक चालकों से पूछ वसूली के बारे में, सकपका कर निकली महिला निरीक्षक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। परिवहन विभाग द्वारा हाईवे पर ट्रक चालकों से अवैध वसूली आम बात है जिसके चलते आमजन को परेशानियों को सामना करना पड़ता है।शहर के हर बायपास पर सुबह शाम व रात को परिवहन विभाग के निरीक्षक के साथ गार्ड हाईवे सड़क पर डांडा लिए ट्रक चालकों से चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली करते नजर आ जाते है। सोमवार को कुछ ऐसा ही वाक्या देखने को मिला, जहां निम्बाहेड़ा मार्ग पर ओछड़ी हाईवे स्थित टोल नाके पर परिवहन विभाग द्वारा गठित दल द्वारा अवैध चौथ वसूली के दौरान वाहनों की लम्बी कतारे लग गई। उस दौरान विधायक चंद्रभान सिंह आक्या मार्ग से गुजर रहे थे, जिन्होंने जाम के हालात को देखते हुए कुछ देर के लिये दल पर नजर बनाये रखी, जिस पर दल के सदस्यों द्वारा ट्रक चालकों से चौथ वसूली करते रंगे हाथ पकड़ते हुए मौजूद निरीक्षक सहित दल के अन्य कर्मियों पर भड़क गये। विधायक आक्या को भड़कता देख महिला निरीक्षक व चौथ वसूली कर रहे सदस्य सकपका गये, जो विधायक आक्या से माफी मांगते नजर आये।

चौथ वसूली के बारे में बताता ट्रक चालक, 50 दे रहा था गार्ड 300 मांग रहा है। काफी देर तक चले मामले के दौरान मौके पर ट्रक चालकों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने परिवहन विभाग द्वारा की जा रही चौथ वसूली पर नाराजगी जताई। कमोबेश परिवहन विभाग द्वारा अन्य हाइवे पर भी इसी तरह से अवैध वसूली का गोरख धंधा बनाकर रखा है। कुछ दिनों पूर्व भी हाईवे पर ट्रक चालक से अवैध वसूली के दौरान परिवहन विभाग द्वारा चालक के साथ मारपीट भी की गई थी। सोमवार को अवैध वसूली के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों से पूछताछ में सभी चुप्पी साथ ली।

अपराधी सुधार दिवस का आयोजन

कैदियों को फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में बताया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितौडगढ। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा समाज कल्याण सप्ताह समारोह-2022 के अन्तर्गत अपराधी सुधार दिवस के अवसर पर जिला कारागृह में अपराधी सुधार दिवस के रूप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने समाज कल्याण सप्ताह समारोह में अपराधी सुधार दिवस आयोजित किये जाने की महत्ता बताई तथा कारागृह में निरुद्ध बंदियों को मेहनत एवं सच्चाई के मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया और उन्होंने आजीवन कारावास भुगत रहे बंदियों को पालनहार योजना एवं विभाग द्वारा संचालित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की ।

विभाग के परिवीक्षा अधिकारी एवं कारागृह कल्याण अधिकारी विकास खटीक ने कारागृह में निरुद्ध बंदियों को परिवीक्षा एवं पैरोल के नियमो से अवगत कराते हुए बताया की कारागृह में निवास की अवधि को पश्चाताप एवं सुधार के एक अवसर के रूप में लेकर जेल से रिहा होने के बाद नई उमंग एवं नई ऊर्जा के साथ अपने सामाजिक जीवन को शुरू करें और कोई भी ऐसा कार्य नहीं करें जो अपने क्षेत्र एवं देश के विकास को बाधित करें।

कारागृह उपाधीक्षक योगेश कुमार तेजी ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा परिवीक्षा, पैरोल की योजनाओं के साथ-साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है कोई भी बंदी बताई गयी योजनाओं की पात्रता रखता हो तो कारागृह प्रशासन से संपर्क कर उक्त योजनाओं का लाभ उठा सकते है।

फिजिक्स का नोबेल 3 वैज्ञानिकों को

एलेन आस्पेक्ट, जॉन क्लॉसर- एंटन जेलिंगर के नाम का ऐलान, क्वांटम इन्फॉर्मेशन साइंस पर रिसर्च किया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

स्टॉकहोम। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में नोबेल प्राइज वीक 2022 का आज दूसरा दिन है। आज फिजिक्स का नोबेल तीन वैज्ञानिकों को दिया गया है। ये हैं- एलेन आस्पेक्ट, जॉन एफ क्लॉसर और एंटन जेलिंगर। उन्हें यह पुरस्कार क्वांटम इन्फॉर्मेशन साइंस और फोटोन्स पर रिसर्च के लिए दिया गया है।एलेन आस्पेक्ट फ्रांस से ताल्लुक रखते हैं। वो पेरिस और स्केले यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। जॉन एफ क्लॉसर अमेरिकी रिसर्चर और प्रोफेसर हैं। एंटन जेलिंगर ऑस्ट्रिया की विएना यूनिवर्सिटी में फिजिक्स के हेड ऑफ द डिपार्टमेंट और रिसर्चर हैं। नोबेल प्राइज वीक 10 अक्टूबर तक चलेगा। 7 दिन में कुल 6 प्राइज अनाउंस होंगे। सोमवार को मेडिसिन का नोबेल स्वीडन के सावन्ते पाबो को दिए जाने का ऐलान हुआ था।

तीनों वैज्ञानिकों का रिसर्च किस बारे में

नोबेल कमेटी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक- इन तीनों वैज्ञानिकों ने entangled quantum states पर रिसर्च किया। इसमें दो पार्टिकल्स बिल्कुल एक तरह का व्यवहार करते हैं। अगर इन दोनों पार्टिकल्स को अलग-अलग भी कर दिया जाए तो इनका व्यवहार नहीं बदलता। इस रिसर्च का फायदा न सिर्फ नई टेक्नोलॉजी के लिए किया जा सकेगा, बल्कि इससे फिजिक्स की क्वॉन्टम इन्फॉर्मेशन थ्योरी को भी एक्सटेंड किया जा सकेगा। इससे भी बड़ी बात कि यह कई गंभीर बीमारियों के इलाज में नया रास्ता खोल सकती है। टेक्नोलॉजी की बात करें तो क्वॉन्टम कम्प्यूटर्स, क्वॉन्टम नेटवर्क्स और क्वॉन्टम एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन में इस रिसर्च से नई क्रांति लाई जा सकती है। क्वॉन्टम मैकेनिक्स को भी नई राह मिलेगी।सबसे आखिर में 10 अक्टूबर को इकोनॉमिक्स कैटेगरी का प्राइज अनाउंस किया जाएगा। इस हफ्ते सिर्फ पुरस्कार जीतने वाले व्यक्ति या संस्थान के नामों का ऐलान होगा। दिसंबर में इन्हें प्राइज दिए जाएंगे। कोविड की वजह से 2020 और 2021 के विजेता स्टॉकहोम नहीं पहुंच पाए थे। कमेटी ने इस बार इन दो साल के विजेताओं को भी स्टॉकहोम इनवाइट किया है। शांति पुरस्कार नॉर्वे में प्रदान किया जाता है जबकि बाकी सभी कैटेगरीज के प्राइज स्टॉकहोम में दिए जाते हैं।

पंखिडा गरबा रास में मिस एंड मिसेज़ प्रतियोगिता आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। माहेश्वरी मृदुल सेवा समिति एवं माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पंखिड़ा गरबा रास में गरबा डांडिया में पाँचवे दिन मिस एंड मेसेज प्रतियोगिता हुई। समिति के ज़िलाध्यक्ष प्रवीण लढ़ा व नगर अध्यक्ष शिव काबरा ने बताया की गरबा कार्यक्रम में पाँचवे दिन मुख्य अतिथि रामप्रसाद जी मुंदड़ा, जानकीलाल भंडारी, अशोक न्याति, विनोद लढ़ा, रवींद्र राठौर, इलियास मोहम्मद, सुभाष बैरागी, पीयूष मुंदड़ा थे। मीडिया प्रभारी संदीप लढ़ा ने बताया की प्रतिदिन गरबा डांडिया की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। ज़िला महामंत्री अमित सोमानी ने बताया की पाँचवे दिन मिस एंड मिसेज प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसने सेंकडो महिलाओं ने भाग लिया। शुभम् समदानी, निलेश तोषनीवाल ने जानकारी देते हुए बताया की मिस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बहनों में से प्रथम हर्षिता काबरा, द्वितीय परिधि जेथलिया, तृतीय शेफाली झँवर, व मिसेज प्रतियोगिता में प्रथम राधा काबरा, द्वितीय वंदना डाड रहे। सभी विजेता प्रतिभागियों को पधारे हुए अतिथियों द्वारा पुरुषकृत किया गया। समिति द्वारा हर दिन युवा वर्ग, महिला वर्ग व युगल डांडिया कार्यक्रम करवाये जा रहे है।दिलीप डाड, अंकित लढ़ा, सिद्धार्थ डाड, गौरव खटोड़, विष्णु आगाल, शुभम् समदानी, राघव काबरा ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। माता जी के भजन व गुजराती गरबा गाने पर शहर वासी थिरकने से अपने आप को रोक नहीं पाये। निर्णायक दिव्या भाटी, डिम्पल बिरला, ऋतु सोडानी थे। धर्मेंद्र मुंदड़ा, मुकेश सोमानी, कृष्णा समदानी, अभिनंदन काबरा, अभिषेक मुंदड़ा आशा मालू, विपिन ईनानी, गौरव चेचानी सहीत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। सफल संचालन प्रवीण लढ़ा ने किया।

अहिंसा एवं सामाजिक चेतना पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। राज्य सरकार सरकार के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में सात दिवसीय गांधी सप्ताह मनाया जा रहा है । इसी कड़ी में सोमवार को किला रोड स्थित बैडेन पावेल स्काउट पार्क में अहिंसा- सामाजिक चेतना विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

संगोष्ठी में महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के ब्लॉक संयोजक एवं जिला प्रवक्ता डॉ. गोपाल सालवी,अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार गदिया, स्काउट एंड गाइड के सीईओ चंद्र शंकर श्रीवास्तव, स्काउट शिक्षक कैलाश अहीर एवं चतर सिंह सहित स्काउट के 100 से अधिक छात्र -छात्रा मौजूद रहे। अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार गदिया ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला एवं 1915 में उनके भारत लौटने के समय के दृश्य को कहानी के माध्यम से प्रकट किया । स्काउट गाइड के सीईओ चंद्र शंकर श्रीवास्तव ने स्काउट के माध्यम से सेवा, समर्पण, स्वावलंबन, स्वच्छता एवं सर्व धर्म प्रार्थना सभा के उद्देश्य को व्यक्त किया और सेवा के माध्यम से शिक्षा पर बल देते हुए सभी छात्र-छात्राओं का ध्यान आकर्षित किया।

अहिंसा का सिद्धांत आज भारत की पहचान

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ.गोपाल सालवी ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अहिंसा का सिद्धांत आज भारत की विश्व में एक पहचान बना रहा है। प्राचीन काल से ही भारत की प्रजा को हिंसा के खिलाफ अहिंसा की शिक्षा दी गई है चाहे वह अहिंसा परमो धर्म के माध्यम से हो या कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन होकर उनके द्वारा अहिंसा का प्रचार करना, हमारी सभ्यता में अहिंसा वास करती है। राष्ट्रपिता ने भारत के सभी स्वतंत्रता आंदोलनों में अहिंसा का व्यापक प्रयोग किया और इन्हीं आंदोलनों के माध्यम से अंग्रेजी सत्ता को झुकने पर मजबूर किया। बापू ने शांतिमय साधनों के द्वारा अहिंसा के जरिए स्वतंत्रता हासिल करना सिखाया। स्काउट शिक्षक कैलाश अहीर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रूमा देवी ने फोर्टी शाखाओ के चैयरमेन सुथार से महिला शक्तिकरण पर की चर्चा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रैड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) शाखाओं एवं फिल्म उद्योग व्यापार संघ राजस्थान चेयरमैन प्रवीण सुथार ने सुप्रसिद्ध इंटरनेशनल फैशन डिजाइनर एवं राजस्थान सरकार राजिविका की ब्रांड एंबेसडर रूमादेवी के उदयपुर दौरे के दौरान उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान सुथार ने रूमा देवी से कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। चर्चा के दौरान आगामी दिनों में राजस्थानी कला संस्कृति के संवर्धन हेतु थार हैरिटेज सप्ताह समारोह के आयोजन महिला उद्यमिता, महिला सशक्तिकरण हेतु फोर्टी एवं ग्रामीण विकास एवं चेतना संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार देने की योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई, चर्चा के दौरान रूमा देवी ने स्मार्ट विलेज मिशन के बारे में बताया और गांवों को स्मार्ट बनाने के मिशन को आपसी सहयोग से सफल बनाने का आह्वान किया।

इस दौरान रूमा देवी को प्रवीण सुथार ने मेवाड़ के आराध्य देव श्रीनाथ जी की प्रतिमा भेंट कर उनका उदयपुर आगमन पर स्वागत किया उनके साथ फोर्टी उदयपुर सम्भागीय अध्यक्ष निशांत शर्मा, फिल्म उद्योग एवं व्यापार संघ राजस्थान के बोर्ड सदस्य मनीष हिंगड़ ,चार्टर्ड अकाउंटेंट महावीर चपलोत, आर्किटेक्ट कपिल जैन आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड में हिमस्खलन बना आफत

बर्फ के तूफान में 10 ट्रेनी पर्वतारोही की मौत, 28 की तलाश जारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बर्फ के तूफान, हिमस्खलन 'एवलांच' से 10 ट्रेनी पर्वतारोहियों की मौत हो गई है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना द्वारा राहत व रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उत्तराखंड सरकार ने नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों के रेस्क्यू के लिए केंद्र सरकार से मदद मांगी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बात की और हादसे के बारे में जानकारी दी। मालूम हो कि मंगलवार सुबह उत्तरकाशी के दौपद्री डांडा-दो से वापस लौट रहे पर्वतारोहियों का दल अचानक हिमस्खलन होने से उसकी चपेट में आ गया। सुबह करीब साढ़े नौ बजे राज्य आपदा कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी मिली थी, जिसके बाद राहत व बचाव का कार्य जारी है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कि बचाव कार्य के लिए हर संभव मदद की जाएगी। पीटीआई रिपोर्ट्स के अनुसार, हिमस्खलन में 10 प्रशिक्षार्थियों की मौत हो गई है।

द्रौपदी का डांडा-दो पर्वत चोटी में हिमस्खलन से निम के प्रशिक्षार्थियों के फंसे होने की सूचना मिलते ही तत्काल ही केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ से फोन पर वार्ता कर रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने के लिए मदद का आग्रह किया गया। केंद्र ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

ANCHOR | सियासी घटनाक्रम

दो दिन में देना है जवाब, राहुल से चर्चा कर 6 को वापस दिल्ली लौटेंगी सोनिया, एक्शन से तय होगा पार्टी का रुख

धारीवाल-जोशी के जवाब के बाद फिर गरमाएगी सियासत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में 25 सितम्बर को हुए विधायकों के इस्तीफे के घटनाक्रम के बाद माहौल शांत हो गया है। मगर तीन दिन बाद एक बार फिर राजस्थान में राजनीति गर्मा सकती है। कांग्रेस के दो मंत्रियों सहित जिन तीन नेताओं को अनुशासनहीनता के नोटिस मिले थे उनके जवाब देने की मियाद के 10 दिन 6 अक्टूबर को पूरे हो रहे हैं। ऐसे में तीनों नेताओं के जवाबों के बाद पार्टी क्या कार्रवाई करती है इसे लेकर एक बार फिर राजस्थान में राजनीतिक हलचल बढ़ सकती है।25 सितम्बर को बुलाई गई विधायक दल की बैठक के बहिष्कार और विधायकों के इस्तीफों के बाद माना जा रहा था कि राजस्थान में कुछ बड़ा उलटफेर हो सकता है। केंद्रीय संगठन से आए दोनों पर्यवेक्षकों ने भी इस घटना पर आपत्ति जताई थी। अजय माकन ने तो इसे घोर अनुशासनहीनता तक कह दिया था। मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। इसी बीच सीएम अशोक गहलोत सोनिया गांधी से मिल लिए और कांग्रेस अध्यक्ष के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे के नामांकन में भी शामिल हुए। उसके बाद से राजस्थान में स्थितियां सामान्य हैं।

तीन नेताओं को दिया था नोटिस

कांग्रेस ने 27 सितम्बर को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, जलदाय मंत्री महेश जोशी और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को अनुशासनहीनता का नोटिस जारी किया था। कांग्रेस ने शांति धारीवाल को अपने घर पर विधायक दल की बैठक के पैरेरल बैठक करने, महेश जोशी पर मुख्य सचेतक होते हुए विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने और धर्मेंद्र राठौड़ पर विधायकों के लिए लॉजिस्टिक्स अरेंज करने आरोप लगे थे। इसे कांग्रेस ने अनुशासनहीनता मानते हुए 10 दिन के भीतर जवाब देने के लिए कहा था।

नोटिस के जवाबों के बाद तय होगा भविष्य

6 अक्टूबर तक तीनों नेताओं को जवाब देना है। तीनों के नोटिस जारी होने के बाद उनका भविष्य तय होगा। तीनों के जवाब के आधार पर ही तय होगा कि पार्टी उनपर क्या कार्रवाई करती है। यह कहा जा रहा है कि अगर पार्टी ने सख्त कार्रवाई की तो दोनों मंत्रियों के मंत्री पद जा सकते हैं। ऐसे में अगर यह होता है तो सीधे तौर पर गहलोत पर हमला होगा। ऐसे में इस कार्रवाई के बाद अलग किस्म के घटनाक्र म राजस्थान में देखने को मिल सकते हैं।

सोनिया गांधी 6 को यात्रा में शामिल होकर दिल्ली लौटेंगी

इसके अलावा भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने गई कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी भी 6 अक्टूबर को कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बाद वापस दिल्ली लौटेंगी। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ इस यात्रा में शामिल होंगे। राजस्थान के मसले पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बीच अबतक सीधी बातचीत नहीं हुई है। ऐसे में 6 अक्टूबर तक इस मसले पर राहुल से सोनिया की बातचीत होगी और उसके बाद 6 अक्टूबर को उनके दिल्ली लौटने पर राजस्थान को लेकर स्थितियां स्पष्ट होने की संभावना है। इसे लेकर राजनीतिक सूत्र कहते हैं कि तीनों नेताओं के जवाब और सोनिया गांधी की राहुल गांधी से बातचीत के बाद वापस लौटने पर राजस्थान को लेकर कुछ निर्णय हो सकते हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच इसे लेकर चर्चा होने की संभावना है।

पायलट खेमा कांग्रेस की एडवायजरी को बना रहा हथियार

इधर इस पूरे मसले को लेकर अशोक गहलोत सहित कुछ नेताओं की लगातार बयानबाजी की पायलट खेमे ने केंद्रीय संगठन को शिकायत की है। पायलट खेमे ने इसे केंद्र के सामने संगठन की एडवायजरी की पालना नहीं करने के रूप में रखा है। पायलट खेमे का कहना है कि जब संगठन ने एडवायजरी जारी की है तो फिर कुछ नेता बयानबाजी क्यों कर रहे हैं।

गहलोत लगातार दे रहे बयान

कांग्रेस अध्यक्ष के नामांकन से वापस आने के बाद से अशोक गहलोत लगातार बयान दे रहे हैं। उन्होंने सोमवार को इन्वेस्टर समिट की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी बयान दिए। इससे पहले भी जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने खुलकर बोला था। वहीं अपने हालिया हनुमानगढ़-गंगानगर और बीकानेर दौर पर भी गहलोत ने ऐसे कई बयान दिए जो राजस्थान संकट से सीधे तौर पर जुड़े थे।

सोडाला एलीवेटेड रोड तैयार अब फीता कटने का इंतजार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के दूसरे सबसे बड़े एलीवेटेड रोड बनकर तैयार हो गई है और अब केवल उसके फीता कटने का इंतजार है। जेडीए ने इसके उद्घाटन का प्रस्ताव तैयार करके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भिजवाया है। संभावना है कि इस सप्ताह इस एलीवेटेड रोड का लोकार्पण हो सकता है। इस रोड के शुरू होने से हवा सड़क, 22 गोदाम चौराहा पर ट्रेफिक जाम की समस्या से काफी निजात मिलेगा। वहीं अम्बेडकर सर्किल से जिन लोगों को सोडाला सब्जिमंडी तक जाना है तो उसको भी महज 10 मिनट लगेंगे। इस रोड की खासियत ये है कि ये जयपुर की पहली ऐसी एलीवेटेड रोड है, जो हवा में ही दूसरी एलीवेटेड रोड से कनेक्ट होती है। आपको बता दें कि इस प्रोजेक्ट का काम साल अगस्त 2016 में शुरू किया गया था, जिसे साल जून 2019 तक पूरा करना था। जून 2019 में काम पूरा नहीं होने के बाद इसकी डेडलाइन को एक साल के लिए यानी मई 2020 तक बढ़ा दिया था। मार्च 2020 में कोरोनाकाल शुरू होने के बाद से प्रोजेक्ट का काम धीमा पड़ गया और इसकी डेडलाइन को बढ़ाकर वापस सितम्बर 2022 किया गया। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 225 करोड़ रुपए की लागत आई है।

ये है इस रोड की खासियत

- इस एलीवेटेड रोड कई खासियसत है। ये ऐसी रोड है जिस पर चढ़ने और उतरने के लिए अलग-अलग रैम्प बने है। अमूमन एलीवेटेड रोड पर एक ही जगह अप और डाउन रैम्प एक साथ बने होते है।
- अम्बेडकर सर्किल से सोडाला की तरफ जाते है तो सबसे पहले इस रोड का अप रैम्प आएगा। यहां से एलीवेटेड रोड पर चढ़ने के बाद इसका पहला डाउन रैम्प 22 गोदाम रेलवे ओवरब्रिज पार करने के बाद नन्दपुरी तिराहा होटल हिल्टन के सामने बनाया है, जबकि दूसरा डाउन रैम्प न बनाकर इसी सीधे हवा में अजमेर रोड एलीवेटेड से जोड़ दिया है, ताकि ट्रेफिक जिसे सोडाला सब्जीमंडी, वैशाली नगर अजमेर रोड 200 फीट जाना हो जा सके।
- इसी तरह सोडाला से आना वाले ट्रेफिक को हवा सड़क चम्बल पावर हाउस से अप रैम्प दिया गया है। यहां से ट्रेफिक इस एलीवेटेड रोड पर चढ़ेगा और 22 गोदाम सर्किल पार करके सी-स्कीम नाले के पास आकर उतरेगा।

10 मिनट में पूरा होगा सफर

इस एलिवेटेड रोड के शुरू होने के बाद जयपुर 22 गोदाम, हवा सड़क, सोडाला तिराहा पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी। अभी अंबेडकर सर्किल से 22 गोदाम सर्किल, हवा सड़क होते हुए सोडाला सब्जी मंडी पहुंचने में करीब 20 से 25 मिनट का समय लगता है। इस एलिवेटेड के बनने के बाद महज 10 मिनट में यह सफर पूरा हो जाएगा।